पेज :8

पेज : 2

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

# भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, रविवार, 27 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 32 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

## संक्षिप्त समाचार

### पहलगाम हमले के जिमेदारों को माकूल जवाब देगा भारतः नड्डा

**नई दिल्ली/ भव्य खबर।** भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को कहा कि भारत पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिमेदार लोगों को माकूल करारा जवाब देगा। यह हमला इस सप्ताह की शुरूआत में हुआ था, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। यहां गणपति पूजा-अर्चना करने के बाद बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ने मीडिया से कहा, कि पूरा देश उमीद करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस हमले का कड़ा और प्रभावी जवाब देंगे। यहां बताते चलें कि यह आतंकी हमला कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में मौजूद रहे पर्यटकों पर हुआ था। इस दौरान आतंकवादियों ने गोलीबारी की थी और कई लोग मारे गए थे। इस हमले को हाल के वर्षों में कश्मीर में हुए सबसे घातक आतंकी हमलों में से एक माना जा रहा है। नड्डा ने इस कायरतापूर्ण हमले पर गुस्से का इजहार करते हुए कहा, जमू-कश्मीर में इस कायरतापूर्ण हमले से पूरा देश दुखी और गुस्से में है। सभी की उमीदें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हैं कि वे इस हमले का कड़ा और निर्णायक जवाब देंगे। उन्होंने कहा, गणपति बप्पा से आशीर्वाद लेने के लिए मैं यहां आया हूं, ताकि देश इस कठिन समय से उबर सके। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमले के लिए जिमेदार लोगों को करारा जवाब दिया जाएगा। गुजरातभर में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 1000 से अधिक हिरासत में लिए गए

### गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी की चेतावनी- घुसपैठियों को पनाह देनेवालों के खिलाफ भी होगी स त कार्रवाई

**अहमदाबाद/ भव्य खबर।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद गुजरात समेत देशभर सुरक्षा एजंसियां हरकत में आ गई हैं। एक ओर जहां केन्द्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटों के भीतर भारत छोडड्रे का आदेश दिया है, वहीं दूसरी ओर घुसपैठियों के खिलाफ भी स्थानीय पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है। इसके तहत गुजरात में अब तक करीब एक हजार जितने बांग्लादेशी घुसपैठियों को हिरासत में लेकर उन्हें डिपोर्ट करने की कार्यवाही तेज कर दी है। बीती रात अहमदाबाद और सूरत में घुसपैठियों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू कर सैंकड़ों को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के चंडोला तालाब क्षेत्र से पुलिस ने एक ही रात में 890 जितने बांग्लादेशी घुसपैठियों को हिरासत में ले लिया। जिसमें 436 पुरुष, 240 महिला और 214 बच्चे शामिल हैं। जबकि सूरत से 132 घुसपैठिये हिरासत में लिए गए हैं। जिसमें 88 पुरुष और 44 महिला शामिल हैं। घुसपैठियों की तलाश में सूरत पुलिस ने शहर के ऊन, सचिन, लिंबायत, लालगेट, सलाबतपुरा इत्यादि क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया। घुसपैठियों को लेकर गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने बड़ी चेतावनी दी है। हर्ष संघवी ने कहा कि घुसपैठियों को पनाह देनेवालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बंगाल के फर्जी दस्तावेज के आधार पर अलग अलग जगहों पर जांच की जाएगी। अहमदाबाद से 890 और सूरत से 134 बांग्लादेशी हिरासत में लिए गए हैं। हर्ष संघवी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि गुजरात में घुसपैठियों के खिलाफ यह अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन है। बंगाल से फर्जी दस्तावेज के आधार पर बांग्लादेशी घुसपैठिये गुजरात आए थे। जिसमें कई लोग ड्रग्स, ह्यूमन ट्रैफिकिंग और अलकायदा के स्लीपर सेल से जुड़े हुए हैं। घुसपैठिये खुद सरैंडर करते हैं तो ठीक वर्ना ऐसे लोगों पर पुलिस कार्रवाई को तैयार है। हर्ष संघवी ने घुसपैठियों के खिलाफ कार्यवाही के लिए अहमदाबाद और सूरत पुलिस को बधाई भी दी।

### ताबड़तोड़ ए शन-लश्करए-तैयबा से जुड़े 7 आतंकियों के घर मिट्टी में मिलाए

**जम्मू / भव्य खबर।** जम्मू कश्मीर के पहलगाम हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा बल के जवान आतंकियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रहे हैं। बीती रात को बड़ी कार्रवाई करते हुए लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े सात आतंकियों के घरों को ध्वस्त कर दिया है। यह अभियान दक्षिण कश्मीर के शोपियां, कुलगाम और पुलवामा जिलों में चलाया गया। शोपियां के छोटीपोरा गांव में लश्कर कमांडर शाहिद अहमद कुट्टे का घर मलबे में तदील कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, कुट्टे पिछले 3-4 वर्षों से आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय था और कई हमलों का समन्वयक रहा है। वहीं, कुलगाम के मतलाम इलाके में सक्रिय आतंकी जाहिद अहमद का घर भी ढहा दिया गया। बता दें कि पहलगाम आतंकवादी घटना के बाद सेना, सीआरपीएफ और जमू-कश्मीर पुलिस ने पूरे क्षेत्र में बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और आतंकियों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलवामा के मुर्रन क्षेत्र में आतंकी अहसन उल हक का घर विस्फोट से उड़ाया गया। अहसन ने 2018 में पाकिस्तान में आतंकी प्रशिक्षण लिया था और हाल ही में घाटी में फिर से सक्रिय हुआ था। इसके अलावा, लश्कर आतंकी एहसान अहमद शेख का दो मंजिला मकान भी ध्वस्त कर दिया गया, जो जून 2023 से सक्रिय है। हैरिस अहमद के घर को भी उड़ा दिया गया। वह 2023 से आतंक में लिप्त है। पुलवामा के कचिपोरा स्थित घर को विस्फोट से उड़ाया गया। इससे पहले गुरुवार रात को पहलगाम हमले में शामिल अदिल हुसैन और आसिफ शेख के घर भी विस्फोट से नष्ट किए गए। जानकारी के अनुसार, इनके घरों में विस्फोटक सामग्री भी रखी गई थी। आपको बता दें कि अनंतनाग पुलिस ने गुरुवार को तीन आतंकियों के स्केच जारी किए थे। तीनों आतंकियों की सूचना देने वाले को 20 लाख के इनाम की घोषणा की गई है।घटना के दिन पहलगाम के मिनी स्विट्जड्रलैंड में अचानक गोलियों की बौछार शुरू हो गई। पर्यटक जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे, लेकिन खुले मैदान में छुपने की कोई जगह नहीं थी। इस हमले में एक नेपाली नागरिक समेत 26 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद कार्रवाई करते हुए भारत सरकार ने पाकिस्तान पर आतंकवाद के समर्थन का आरोप लगाते हुए सिंधु जल संधि निलंबित कर दी है और पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों को निष्कासित कर दिया है।

## प्रधानमंत्री मोदी ने 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटते हुए कहा

# आपके हाथों में है देश का भविष्य

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हजारों युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे और कहा कि आज भारत सरकार ने विभिन्न विभागों में 51 हजार से अधिक युवाओं को पक्की नौकरियां दी हैं। ये महज नियुक्तियां नहीं हैं, बल्कि ये देश के भविष्य निर्माण की बड़ी शुरुआत है।

पीएम मोदी ने आयोजित रोजगार मेला में देश के 51,000 से अधिक युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरकारी नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने युवाओं को बधाई देते हुए उन्हें देश के भविष्य का निर्माता बताया और भारत की युवा शक्ति की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि आज भारत सरकार के विभिन्न विभागों में 51,000 से अधिक युवाओं को पक्की सरकारी नौकरियां दी गई हैं। ये सिर्फ नियुक्ति पत्र नहीं हैं, ये राष्ट्र निर्माण के बड़े संकल्पों की शुरुआत हैं। उन्होंने अपने संबोधन में आईएमएफ की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने कहा, कि आज का समय भारत के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों का समय है। हमारी सरकार हर कदम पर यह सुनिश्चित कर रही है कि युवाओं को अधिक से अधिक

रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिलें।

#### रोजगार के लाखों नए अवसर

प्रधानमंत्री मोदी ने मेक इन इंडिया को मजबूती देने के लिए शुरू किए गए नए मैन्युफैक्चरिंग मिशन का जिक्र भी किया। यहां उन्होंने कहा कि इससे एमएसएमई सेक्टर और लघु उद्यमियों को बल मिलेगा, साथ ही रोजगार के लाखों नए अवसर भी उत्पन्न होंगे।

#### नारीशक्ति की सराहना

प्रधानमंत्री मोदी ने यूपीएससी परिणामों में महिलाओं की शानदार उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा, कि हमारी बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। नौकरशाही से लेकर अंतरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्र तक, नारीशक्ति नई बुलंदियों को छू रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ग्रामीण महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं चला रही है, जैसे बैंक सखी, कृषि सखी और 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह जो देशभर में 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं।

#### विश्व मंच पर भारतीय युवाओं को मिलेगा अवसर

प्रधानमंत्री ने बताया कि जल्द ही भारत में वेव्स 2025 (विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन) का आयोजन होगा, जिसका केंद्र बिंदु भारत के युवा क्रिएटर्स होंगे। यह पहल भारत की रचनात्मक प्रतिभा को वैश्विक मंच पर लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

इस प्रकार यह रोजगार मेला केवल नौकरियों का उत्सव नहीं, बल्कि भारत के आत्मनिर्भर और विकसित भविष्य की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक है।

## राहुल गांधी ने दिल्ली में निकाला कैंडललाइट मार्च, आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति जताई एकजुटता

**श्रीनगर (एजेंसी)।** नई दिल्ली, 26 अप्रैल (वेब वार्ता)। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में आज नई दिल्ली में एक कैंडललाइट मार्च निकाला गया। इसमें उन्होंने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले के निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी एकजुटता जताई। यह मार्च पार्टी मुख्यालय से महात्मा गांधी स्मृति तक निकाला गया।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। वेणुगोपाल ने पोस्ट में आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने इस शांति मार्च में हस्तक्षेप किया, जिससे स्थल पर पूरी तरह से अराजकता और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई। उन्होंने कहा, 'दिल्ली पुलिस का यह व्यवहार भाजपा की एकता और एकजुटता के प्रति खोखली प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

राहुल गांधी ने आज जम्मू-कश्मीर का भी दौरा किया था। यहां उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा था कि हम सभी पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं। यह समय एकजुटता का है, न कि विभाजन का। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस पार्टी ने आज देशभर में अलग-अलग स्थानों पर पहलगाम हमले के विरोध में मार्च निकाला है।

## पाकिस्तान जाने वाली चिनाब नदी का पानी रोका, मंत्री ने कहा- एक बूंद भी नहीं देंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने चिनाब नदी का पानी पाकिस्तान की ओर जाने से रोक दिया है, जिसका असर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में देखा जा रहा है। वहीं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की रणनीति पर काम कर रही है कि भारत से पानी की एक भी बूंद पाकिस्तान में न जाने पाए।

चिनाब नदी पर बने बगलिहार जलविद्युत परियोजना के जरिए भारत ने नदी के पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना शुरू कर दिया है। इस कदम के बाद, पाकिस्तान के सियालकोट, पंजाब में स्थित मारला हेडवर्क्स के स्थानीय लोगों ने बताया कि चिनाब नदी में पानी का स्तर काफी कम हो गया है। चिनाब नदी पाकिस्तान के कृषि और पेयजल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की रणनीति पर काम कर रही है कि भारत से पानी की एक भी बूंद पाकिस्तान में न जाने पाए। पाटिल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई निर्देश जारी किए हैं और उन पर अमल के लिए यह बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि शाह ने बैठक में इन निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत से पानी की एक भी बूंद पाकिस्तान में न जाने पाये। बता दें कि भारत ने

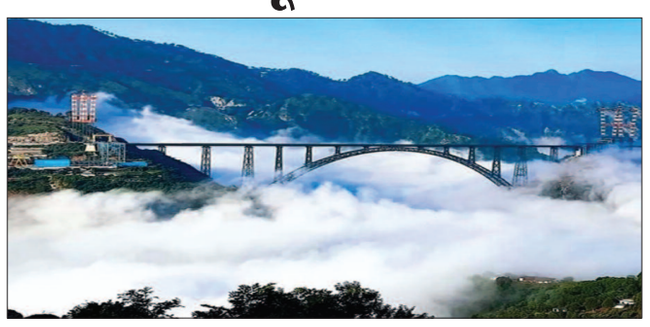

24 अप्रैल को एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पाकिस्तान के साथ 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। यह फैसला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर लिया गया।

सूत्रों ने बताया कि सरकार अपने निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक योजना पर काम कर रही है। सूत्रों ने बताया कि पाटिल के अलावा कई मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। भारत ने पहले ही पाकिस्तान को संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखने संबंधी अपने निर्णय से अवगत करा दिया है और कहा है कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर को सीमा पार से लगातार आतंकवाद के जरिए निशाना बनाकर संधि की शर्तों का उल्लंघन किया है। पाटिल ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है कि वह आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

#### क्या है पूरा मामला?

24 अप्रैल को, भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर सिंधु जल संधि को निलंबित करने की घोषणा की। इस संधि के तहत, भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों, जैसे चिनाब, झेलम, और सतलुज, के पानी का बंटवारा होता है। संधि के अनुसार, चिनाब और अन्य पश्चिमी नदियों का पानी मुख्य रूप से पाकिस्तान को जाता है, जबकि भारत को सीमित उपयोग का अधिकार है। हालांकि, पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारत को यह कड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर किया। सरकार का कहना है कि पाकिस्तान द्वारा लगातार आतंकवाद को समर्थन और सीमा पार से होने वाली घुसपैठ के कारण यह संधि अब भारत के हितों के खिलाफ है।

## पहलगाम अटैक पर बोले शरद पवार- पाकिस्तान भी देगा जवाब, शांत तो वह नहीं बैठेगा

### -केंद्र सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आगाह किया कि पाकिस्तान के खिलाफ उठाए गए कड़े कदमों के परिणामस्वरूप पड़ोसी देश भी जवाबी कार्रवाई कर सकता है और स्थिति और गंभीर हो सकती है।

नेता शरद पवार ने चेतावनी देते हुए अनेक सवाल उठाए हैं। सिंधुदुर्ग में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने कहा, कि आज हम कुछ निर्णय लेते हैं, लेकिन कल पाकिस्तान भी उसका जवाब देगा... मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान शांत बैठेगा। उन्होंने भारत सरकार को सलाह दी कि पाकिस्तान के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों में सतर्कता बरती जानी चाहिए।

#### भारत के कदम और पाकिस्तान की प्रतिक्रिया

गौरतलब है कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं, जिनमें सिंधु जल संधि का निलंबन, राजनयिक संबंधों में कटौती और पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करना शामिल है। वाघा-अटारी बॉर्डर को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध समाप्त कर दिए हैं, भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है, और शिमला समझौते को निलंबित करने की धमकी दी है।

#### हवाई यात्रा पर प्रभाव का जिक्र

इस बीच शरद पवार ने पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यूरोप जाने वाली अधिकतर उड़ानें पाकिस्तान के ऊपर से होकर जाती हैं। यदि यह मार्ग बंद हो जाता है तो उड़ानें लंबी और महंगी हो जाएंगी। उन्होंने 2019 के पुलवामा हमले के बाद की स्थिति का हवाला देते हुए बताया कि उस समय भारतीय एयरलाइनों को लगभग 700 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

#### धर्म के आधार पर हमले पर टिप्पणी

पाहलगाम हमले में बचे लोगों के बयानों के अनुसार आतंकवादियों ने हिंदुओं को निशाना बनाया था। इस बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, कि मुझे नहीं पता कि सच्चाई क्या है...महिलाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया, लेकिन पुरुषों की हत्या की गई। इस पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पवार को पीड़ितों और चश्मदीदों की बात सुननी चाहिए।

यहां पर शरद पवार ने केंद्र सरकार की इस दावे पर भी सवाल उठाए कि कश्मीर में आतंकवाद खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि इस आतंकी हमले से सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक सामने आई है और यह घटना भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को और गहरा सकती है।

## पहलगाम हमले के बाद भारत के सपोर्ट में 15 देश लेंगे एक्शन! टेरर अटैक पर भड़का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

**श्रीनगर (एजेंसी)।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने पहलगाम आतंकी हमलों की निंदा की है।यूएन ने बात पर जोर दिया कि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और इस आतंकवाद के निंदनीय कृत्य के आयोजकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। एक प्रेस बयान में 15 देशों की परिषद ने कहा कि समूह ने 22 अप्रैल को हुए ÷जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की।

#### फ्रांस ने प्रेस वक्तव्य जारी किया

प्रेस वक्तव्य फ्रांस द्वारा जारी किया गया, जिसके पास वर्तमान में यूएनएससी की अध्यक्षता है। परिषद के अध्यक्ष फ्रांस के यूएन राजदूत जेरोम बोनाफोंट द्वारा जारी किया गया यह वक्तव्य, यू.एस. द्वारा जारी किया गया है। सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने पीड़ितों के परिवारों और भारत और नेपाल की सरकारों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति और संवेदना व्यक्त की, और घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। इस बात की पुष्टि करते हुए कि आतंकवाद अपने सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है, यूएनएससी ने दोहराया कि आतंकवाद का कोई भी कृत्य आपराधिक और अनुचित है, चाहे उसका उद्देश्य कुछ भी हो, चाहे वह कहीं भी, कभी भी और किसी के द्वारा भी किया गया हो। भारत और

पाकिस्तान के बीच मौजूदा स्थिति पर एक सवाल का जवाब देते हुए, महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, हम बहुत गहरी चिंता के साथ स्थिति पर नज़र बनाए हुए हैं।

## सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी किया एडवायजरी, सुरक्षाबलों के ऑपरेशन का लाइव टेलीकास्ट न करे मीडिया

नई दिल्ली । सरकार ने शनिवार को मीडिया आउटलेट्स से सेना के ऑपरेशन्स और सुरक्षा बलों की आवाजाही का लाइव टेलीकास्ट न करने का निर्देश दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि ऐसी रिपोर्टिंग से अनजाने में दुश्मनों को मदद मिल सकती है।यह सलाह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद रक्षा मामलों पर रिपोर्टिंग के मद्देनजर जारी की गई है, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। सरकार ने कहा अगर कोई चैनल केबल टीवी नेटवर्क अमेंडमेंट एक्ट 2021 के नियमों का उल्लंघन करता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। इधर, भारतीय रेलवे ने भी कश्मीर में तैनात गैर-कश्मीरी कर्मचारियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। जिसमें कहा है कि कोई गैर कश्मीरी कर्मचारी अकेले बाहर न जाए। उन्हें ऑफिस आने-जाने के लिए भी आरपीएफ की ओर से सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है।

## मोदी सरकार बस इजाजत दे, घर में घुसकर मारेंगे, बिलावल के खून बहाने वाले बयान पर बोले देश के इमाम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पहलगाम में जो नरसंहार हुआ उसके बाद भारत बदला लेने की तैयारी कर रहा है। बदला सर्जिकल स्ट्राइक, एयरस्ट्राइक के जैसा होगा या फिर इससे बहुत बड़ा होगा। इसका अंदाजा इस बात से लगा लीजिए कि आईएनएस विक्रांत 18 फाइटर जेट लेकर समुद्र में उतर चुका है। सेना का डिप्लायमेंट लगातार बॉर्डर पर हो रहा है। सेना के प्रमुख खुद पहलगाम पहुंच चुके हैं और राज्यपाल के साथ सीएम से बात की। साथ गृह मंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से बात की और राष्ट्रपति के पास गृह मंत्री और विदेश मंत्री एक लाल रंग की फाइल लेकर गए। जिसमें क्या था ये अब तक पता नहीं चल पाया है। मतलब बदला तो इस बार भारत का ऐसा होगा कि पाकिस्तान पानी नहीं मांगेगा। लेकिन इस हमले से पहले ही पाकिस्तान बुरी तरह बौखलाया हुआ नजर आ रहा है। उसके नेताओं की गीदड़भभकी सामने आने लगी है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने सिंधु जल संधि के मामले में भारत को धमकाया और चुनौती दी।

भुट्टो ने कहा कि दरिया में या तो हमारा 'पानी' बहेगा, या फिर हमारा (भारत का) 'खून' बहेगा।' भुट्टो की यह प्रतिक्रिया जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद आई। 23 अप्रैल को, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने प्रतिक्रिया में कई सख्त उपायों की घोषणा की, जिसमें सिंधु जल संधि को 'तत्काल प्रभाव से स्थगित करना' भी शामिल है, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता। भुट्टो ने एक्स पर लिखा कि भारत ने पहलगाम त्रासदी के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया है। अपनी कमज़ोरियों को छिपाने और अपने लोगों को मूर्ख बनाने के लिए मोदी ने झूठे आरोप लगाए हैं और सिंधु जल संधि को एकतरफ़ा तौर पर निलंबित कर दिया है, जिसके तहत भारत ने स्वीकार किया है कि सिंधु पाकिस्तान की है। मैं यहां सुक्कुर में सिंधु के पास खड़ा होकर भारत को बताना चाहूंगा कि सिंधु हमारी है और सिंधु हमारी ही रहेगी, चाहे इस सिंधु में पानी बहे या उनका खून।

बिलावल भुट्टो की इस धमकी के बाद अब भारत में तरह तरह की प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। क्या हिंदू क्या मुसलमान सभी एक सुर में पाकिस्तान का इलाज करने को आतुर नजर आ रहे है। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्?यक्ष साजिद रशीदी ने बिलावल भुट्टे के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि समय ही बताएगा कि किसका खून बहेगा। उन्हें अब पानी की सर्जिकल स्ट्राइक के बारे में सोचना चाहिए, वे पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष करेंगे। रशीदी ने कहा कि पाकिस्तान में भारत की ओर देखने का दम नहीं है। उन्हें पहले अपनी समस्या को सुलझाना चाहिए, वहां शिया-सुन्नी की लड़ाई होती है। जिद रशीदी ने आगे कहा कि मैं संदेश देना चाहता हूं कि उन्हें ये गतिविधियां बंद कर देनी

चाहिए। अन्यथा भारत के मुसलमान पाकिस्तान की इन गतिविधियों को खत्म करने के लिए तैयार बैठा है। हमें केवल सरकार की मंजूरी की जरूरत है। पाकिस्तान में घुसकर मारेंगे।

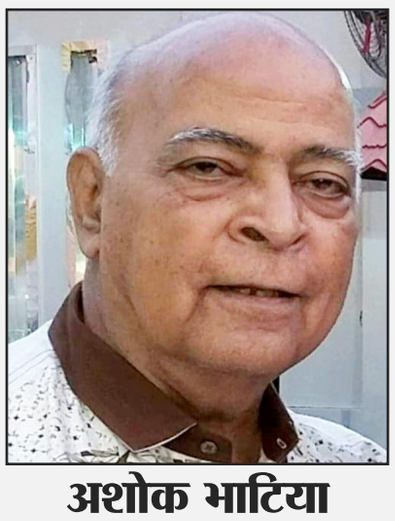

**अशोक भाटिया**

**नरसंहार के बाद भारत बदला लेने की तैयारी कर रहा है। बदला सर्जिकल स्ट्राइक, एयरस्ट्राइक के जैसा होगा या फिर इससे बहुत बड़ा होगा। इसका अंदाजा इस बात से लगा लीजिए कि आईएनएस विक्रांत 18 फाइटर जेट लेकर समुद्र में उतर चुका है। सेना का डिप्लायमेंट लगातार बॉर्डर पर हो रहा है। सेना के प्रमुख खुद पहलगाम पहुंच चुके हैं और राज्यपाल के साथ सीएम से बात की। साथ गृह मंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से बात की और राष्ट्रपति के पास गृह मंत्री और विदेश मंत्री एक लाल रंग की फाइल लेकर गए।**

# कई बार पहुंचे युद्ध के मुहाने पर

पहलगाम में जो नरसंहार हुआ उसके बाद भारत बदला लेने की तैयारी कर रहा है। बदला सर्जिकल स्ट्राइक, एयरस्ट्राइक के जैसा होगा या फिर इससे बहुत बड़ा होगा। इसका अंदाजा इस बात से लगा लीजिए कि आईएनएस विक्रांत 18 फाइटर जेट लेकर समुद्र में उतर चुका है। सेना का डिप्लायमेंट लगातार बॉर्डर पर हो रहा है। सेना के प्रमुख खुद पहलगाम पहुंच चुके हैं और राज्यपाल के साथ सीएम से बात की। साथ गृह मंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से बात की और राष्ट्रपति के पास गृह मंत्री और विदेश मंत्री एक लाल रंग की फाइल लेकर गए। जिसमें क्या था ये अब तक पता नहीं चल पाया है। मतलब बदला तो इस बार भारत का ऐसा होगा कि पाकिस्तान पानी नहीं मांगेगा। लेकिन इस हमले से पहले ही पाकिस्तान बुरी तरह बौखलाया हुआ नजर आ रहा है। यह कोई पहली बार नहीं है जब भारत और पाकिस्तान युद्ध के मुहाने पर पहुंचे हों। इससे पहले भी कई मौके आए हैं जब दोनों मुल्कों के बीच तनाव इस कदर बढ़ा कि हालात जंग जैसे बन गए। 1947, 1965 और 1971 में तो दोनों देशों के बीच युद्ध भी हुए थे। अब एक बार फिर इतिहास दोहराने की स्थिति में दोनों देश खड़ा है। आईये जानते हैं कि, 1971 युद्ध के बाद कब-कब भारत और पाकिस्तान जंग के करीब पहुंचा और क्या परिणाम रहे। दिसंबर 1986 में भारत ने ऑपरेशन ब्रासस्टैक्स शुरू किया था। इसकी कल्पना तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कृष्णास्वामी सुंदरजी ने की थी। 1986-1987 की सर्दियों में, भारत ने टैंकों और सैनिकों को ऐसे उतारा, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से शांति के समय में नहीं देखा गया था। भारत के ऑपरेशन ब्रासस्टैक्स ने पाकिस्तान को चौंका दिया। जनवरी 1987 में, लगभग आधी भारतीय सेना पाकिस्तान सीमा के पास तैनात थी। जिसमें 10 डिवीजन और तीन ब्रिगेड शामिल थे, जो पाकिस्तान सीमा से 180 किमी के भीतर तैनात थे। ऑपरेशन ब्रासस्टैक्स दुनिया द्वारा देखे गए किसी भी नाटो अभ्यास से बड़ा था। पंजाब में उग्रवाद और कश्मीर में पाकिस्तान निर्मित अशांति ने भारत की स्थिरता को चुनौती दी, जिसके कारण भारत को 1987 में ऑपरेशन ब्रासट्रैक का सहारा लेना पड़ा। कश्मीर-पंजाब की सीमाओं पर लामबंदीः जल्द ही ऑपरेशन ब्रासटैक्स का ध्यान जम्मू-कश्मीर और पंजाब पर चला गया। क्योंकि पाकिस्तान ने अपने स्ट्राइक रिजर्व को इन संवेदनशील क्षेत्रों के करीब पहुंचा दिया। इसका मुकाबला करने के लिए, भारत ने किसी भी आश्चर्यजनक हमले को रोकने के लिए अपनी सैन्य स्थिति का विस्तार किया। पाकिस्तान की इस तैनाती से भारत के प्रमुख क्षेत्रों, गुरदासपुर, अमृतसर और फिरोजपुर को अलग-थलग करने की धमकी दी गई। क्योंकि उसने हरिके बैराज पर पुल को निशाना बनाया, जिससे जम्मू और कश्मीर क्षेत्र तक पहुंच बंद हो गई। "इसके बाद भारत ने सीमा पर अपनी रक्षात्मक स्थिति पर कब्जा करने के लिए सैनिकों की एक बड़ी हवाई और जमीनी आवाजाही की, जिसके परिणामस्वरूप तनाव और बढ़ गया। इन बढ़ते तनावों के बीच ए.क्यू. खान ने खुलासा किया कि पाकिस्तान ने हथियार स्तर तक यूरेनियम को समृद्ध कर लिया है और वह परमाणु परीक्षण कर सकता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि, "कोई भी पाकिस्तान को नष्ट नहीं कर सकता या हमें हल्के में नहीं ले सकता। यदि आवश्यक हुआ तो हम बम का उपयोग करेंगे। मार्च 1987 में भारत और पाकिस्तान ने कश्मीर क्षेत्र से 1,50,000 सैनिकों को वापस बुलाने के लिए एक समझौता किया। जिसके बाद उसी महीने राजस्थान और दक्षिणी पंजाब के रेगिस्तानी इलाकों में सैन्य उपस्थिति को कम करने के लिए एक दूसरा समझौता हुआ। हालांकि, मार्च 1987 में भारतीय सेना ने 1,50,000 सैनिकों के साथ ऑपरेशन ब्रासट्रैक्स का अंतिम चरण शुरू किया। 1990 में दोनों देश फिर से एक बड़े युद्ध के मुहाने पर खड़े थे। खबरों के मुताबिक, भारत ने एक बार फिर हथियारों और सैन्य उपकरणों के विशाल जखीरे के साथ राजस्थान की सीमा पर सशस्त्र बटालियनों को तैनात किया था। कश्मीर और पंजाब में सशस्त्र समूहों की गतिविधियों से चिंतित होकर, अगस्त 1989 के प्रारम्भ में, भारत सरकार ने अपने बलों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया, जिसमें मुख्य रूप से अर्धसैनिक बल शामिल थे। बाद में पैदल सेना बटालियनों को भी इसमें शामिल किया गया। पाकिस्तान ने भारत के साथ सीमा के उसी हिस्से में ह्यजर्ब-ए-मोमिन नाम से कोर-स्तरीय सैन्य अभ्यास भी शुरू किया। बड़े पैमाने पर किए गए इस अभ्यास में तीन फील्ड कोर, दो बख्तरबंद ब्रिगेड, दो आर्टिलरी डिवीजन और पाकिस्तानी सेना की एक एयर-डिफेंस डिवीजन की तैनाती शामिल थी। इसे देश का अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास माना गया। 13 मार्च, 1990 को पाकिस्तान की तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने पीओके में उतरकर कश्मीरी उग्रवादियों के समर्थन में भारत के खिलाफ "हजार साल तक युद्ध" की घोषणा की। मई में, अमेरिकी जासूसी उपग्रहों ने कथित तौर पर कहुटा में शीर्ष-गुप्त परमाणु हथियार परिसर से भारतीय सीमा के पास एक सेना के एयरबेस की यात्रा कर रहे पाकिस्तानी सैन्य वाहनों की तस्वीरें खींचीं। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल मिर्जा असलम बेग ने कहा है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने 1990 में वायु सेना (पीएएफ) को भारतीय परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने के लिए तैयार रहने को कहा था। खोजी पत्रकार सेमोर हर्ष के अनुसार, भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी। सिंह ने परमाणु खतरे की आशंका नहीं जताई थी। लेकिन उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि वह बिना युद्ध के कश्मीर पर कब्जा नहीं कर सकता। आर्म्स कंट्रोल एसोसिएशन के अनुसार, मई 1990 में राष्ट्रपति बुश ने अपने उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गेट्स को इस क्षेत्र में भेजा। भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ उनकी बैठकों ने स्थिति को शांत करने में मदद की। कारगिल में भारत और पाकिस्तान पूर्ण युद्ध के करीबः 1999 में, कश्मीरी लड़ाकों की वेशभूषा में पाकिस्तानी सैनिकों ने कश्मीर के कारगिल सेक्टर में रणनीतिक चोटियों पर कब्जा कर लिया था। भारत ने चोटियों को वापस पाने के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चलाया। भारी तोपखाने की लड़ाई और हवाई हमलों के साथ स्थिति तेजी से बिगड़ती गई। भारत ने संघर्ष को आगे नहीं बढ़ाया और छडउ के अपने हिस्से पर ही रहा। आखिरकार भारत पाकिस्तानी घुसपैठियों को भारतीय क्षेत्र से बाहर निकालने में कामयाब रहा। भारतीय संसद पर हमलाः 2001 में जब जैश-ए-मोहम्मद ने भारतीय संसद पर हमला किया, तब भारत और पाकिस्तान लगभग युद्ध के कगार पर थे। संसद पर हमले के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बड़े पैमाने पर सेना जुटाई। भारत ने ऑपरेशन पराक्रम के तहत अपनी सेना जुटाई और पाकिस्तान ने भी इसी तरह की सेना जुटाई। लगभग 10 महीनों तक, दक्षिण एशिया हाई अलर्ट पर रहा। तनाव को कम करने के लिए विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य राज्यों द्वारा गहन कूटनीतिक प्रयास किए गए। आखिरकार, दोनों पक्षों ने अपनी सेना वापस बुला ली। 26/11 आतंकवादी हमलाः 26 नवंबर 2008 को, भारत और पाकिस्तान एक बार फिर प्रत्यक्ष सैन्य टकराव की ओर अग्रसर होने की आशंका तब बढ़ गई जब आतंकवादियों ने मुंबई की घेराबंदी की। तीन दिनों में, 166 लोग मारे गए, जिनमें छह अमेरिकी शामिल थे। उरी में आतंकवादी हमला और भारत का सर्जिकल स्ट्राइकः सितंबर 2016 में आतंकवादियों ने नियंत्रण रेखा के पास उरी में एक दूरस्थ भारतीय सेना के बेस पर हमला किया। 18 भारतीय सैनिक मारे गए। भारतीय अधिकारियों ने हमले के पीछे आईएसआई से कथित संबंध रखने वाले एक अन्य समूह जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का हाथ होने का आरोप लगाया। जवाब में, भारतीय सेना ने घोषणा की कि उसने पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर के अंदर आतंकवादी शिविरों पर "सर्जिकल स्ट्राइक" की है। इस अवधि को सीमा पर झड़पों में उछाल द्वारा चिह्नित किया गया था जो 2016 के अंत में शुरू हुआ और 2018 तक जारी रहा। नियंत्रण रेखा के दोनों ओर दर्जनों लोग मारे गए और हजारों नागरिक विस्थापित हुए। पुलवामा और बालाकोट हमलाः फरवरी 2019 में, भारतीय प्रशासित कश्मीर के पुलवामा में भारतीय अर्धसैनिक बलों के काफिले पर हुए हमले में कम से कम 40 सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह खएट द्वारा लिया गया। यह हमला तीन दशकों में कश्मीर में सबसे घातक हमला था। भारत ने पाकिस्तानी क्षेत्र के भीतर आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को निशाना बनाकर हवाई हमला करके जवाबी कार्रवाई की। इनका जवाब पाकिस्तानी हवाई हमलों से भारतीय प्रशासित कश्मीर पर दिया गया। यह हवाई मुठभेड़ में बढ़ गया, जिसके दौरान पाकिस्तान ने दो भारतीय सैन्य विमानों को मार गिराया और एक भारतीय पायलट को पकड़ लिया। पायलट को दो दिन बाद रिहा कर दिया गया।

## संपादकीय

### अब निर्णायक कदम उठे

**अमृता आर. पंडित**

अच्छी बात है कि संसद भवन में हुई सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ सहयोग करने का संकल्प जताया है और सरकार के साथ एकजुटता प्रदर्शित की है। वास्तव में अब विपक्ष ही नहीं, बल्कि सरकार समर्थक हर व्यक्ति उस कदम की प्रतीक्षा करेगा जो आतंकवादियों के विरुद्ध सरकार उठाने वाली है और उस सबक की भी प्रतीक्षा करेगा जो सरकार आतंकवादियों के आका पाकिस्तान को सीखाने वाली है। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमला ऐसे समय हुआ जब जम्मू-कश्मीर में जनजीवन सामान्य हो चला था और पर्यटक भी बड़ी संख्या में पहुंचने लगे थे। एकाएक हमले ने देशवासियों को हिला ड़ाला है। सरकार ने अब तक चार अहम फैसले किए हैं-जब तक पाकिस्तान आतंकवादी हमले और आर्तकियों को समर्थन बंद नहीं करता, तब तक सिंधु नदी जल समझौता एकतरफा रूप से स्थगित रहेगा। अटारीबाघा सीमा को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। दोनों देशों के उच्चायोगों के कर्मियों की संख्या 55 से घटा कर 30 कर दी गई है और सार्क वीजा के तहत भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने को कहा गया है। भारत के इस कदम की पाकिस्तान में प्रतिक्रिया हुई जो अपेक्षित थी। पाकिस्तान ने कहा कि भारत ने सिंधु जल समझौते के तहत उसे मिलने वाले पानी को रोका तो इसे युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और जवाब दिया जाएगा। उसने भारत के साथ सभी द्विपक्षीय व्यापार बंद करने, शिमला समझौते सहित सभी द्विपक्षीय समझौतों को निलंबित करने और हवाईक्षेत्रों को बंद करने की भी घोषणा की है। सार्क वीजा के तहत भारतीय नागरिकों को जारी सभी वीजा भी निलंबित कर दिए हैं तथा पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश से बाहर निकलने का निर्देश दिया है। जाहिर है कि इससे भारत की भी कठिनाइयां बढ़ेगी लेकिन इस समय सरकार को दृढ़रूता का परिचय देना होगा और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कदम उठाना ही होगा। लेकिन दूसरी तरफ सरकार की यह जवाबदेही भी बनती है कि वह देश की जनता को बताए कि अगर पहलगाम की घटना सुरक्षा में चूक की वजह से हुई है तो यह चूक क्यों हुई और भविष्य में इस बात की क्या गारंटी होगी कि ऐसी चूक दोबारा नहीं होगी।

## चिंतन-मनन

### संत की सीख

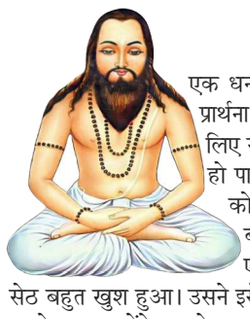

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

# पाकिस्तान को कड़ा जवाब देने को कार्यवाही जारी है!

हमला सन 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुआ सबसे घातक हमला माना जा रहा है, जिसमें 28 भारतीय पर्यटक मारे गए है।मारे जाने वाले लोगों में कोई सैनिक या अधिकारी नहीं थे, बल्कि भारत की सबसे खूबसूरत घाटी में घूमने आए वे पर्यटक थे,जो यहां अपनी खुशी ढूंढने आए थे,लेकिन बदले में उन्हें मौत मिल गई।पूरे कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान दोनों दावा करते हैं, जम्मू कश्मीर के अलग-अलग हिस्से पर दोनों का शासन भी है,लेकिन तनाव फिर भी कभी खत्म नही हुआ और धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला कश्मीर हिंसा की धरती बनकर रह गया है।इस आतंकी हमले के बाद भारत ने कई जवाबी कदम उठाए हैं, जिनमें मुख्य रूप से बॉर्डर क्रासिंग अटारी को बंद करना, पाकिस्तान के साथ महत्वपूर्ण सिंधु जल संधि को निलंबित करना और पाकिस्तानी राजनयिकों को देश से निकालना शामिल है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उक्त हमले पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है और वादा किया है कि सिर्फ.हमलावरों पर ही नहीं, बल्कि भारतीय धरती पर इस नापाक हरकत के पीछे के साजिश रचताओ पर भी कार्रवाई होगी।जिससे देश को उम्मीद बंधी है कि हमें जल्दी ही कड़ी कार्रवाई देखने को मिल सकती है, जो भारतीय जनता को राहत और पाकिस्तान के लोगों के लिए कड़ा संदेश होगी। सितंबर 2016 में जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास हुए घातक हमले में 19 भारतीय सैनिकों की मौत हुई थी, इसके बाद भारत ने नियंत्रण रेखा के पार सर्जिकल स्ट्राइक की थी और दावा किया था कि पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में मौजूद चरमपंथियों के ठिकाने को निशाना बनाया गया।लेकिन शायद दुश्मन का फन उस समय पूरी तरह से नही कुचला गया तभी तो सन 2019 में ही पुलवामा में हमला हो गया, जिसमें अर्द्धसैनिक बलों के 40 जवानों की मौत हो गई थी। इसके बाद भारत ने बालाकोट में कथित चरमपंथी कैंपों पर हवाई हमले किए थे।जिसे सन 1971 के बाद पहली बार भारत ने पाकिस्तान के अंदर तक हमला किया था।पाकिस्तान ने जंगी विमानों से इसका जवाब दिया और लड़ाकू विमानों के बीच संघर्ष में एक भारतीय पायलट को बंदी

बना लिया था। इसमें दोनों तरफ से शक्ति प्रदर्शन किया गया, लेकिन पूर्ण युद्ध को टाल दिया गया।अब वर्तमान में भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम हमले के बाद तनाव बढ़ गया है। इस बीच भारतीय वायुसेना ने युद्धाभ्यास किया है।पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सेना का एक्शन जारी है।हमले में आतंकी आसिफ शेख का नाम आया था,आतंकी आसिफ शेख का घर ब्लास्ट में उड़ा दिया गया।जम्मू कश्मीर के पहलगाम में फिलहाल सन्नाटा पसरा हुआ है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद बॉर्डर पर तनाव बढ़ने के बाद अब सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जल्द ही श्रीनगर और उधमपुर के लिए रवाना होंगे। वे कश्मीर घाटी में तैनात वरिष्ठ सेना कमांडरों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।जनरल उपेंद्र द्विवेदी घाटी में चल रही सुरक्षा स्थिति और नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान सेना द्वारा युद्धविराम उल्लंघन की कोशिशों की समीक्षा भी करेंगे।पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा के पास कुछ जगहों पर गोलीबारी की है। भारतीय सेना ने इसका करारा जवाब भी दिया है। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा में आतंकियों के होने की खबर के चलते अजास के बाजीपोरा के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। सर्च ऑपरेशन के दौरान गोलीबारी की आवाज सुनाई दी है। इस क्षेत्र में 1-2 आतंकवादियों के मौजूद होने की सूचना थी, जिनके अब भारतीय सेना के चंगुल में फंसने की संभावना है।अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रम्प और सचिव रुबियो ने स्पष्ट किया है, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ खड़ा है।अमेरिका आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। हम मारे गए लोगों के लिए और घायलों के ठीक होने की प्रार्थना करते हैं और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं।भारत ने पाकिस्तान को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल संधि स्थगित करने की जानकारी दी है। इसमें भारत ने कहा, समय के साथ जनसंख्या बदली है।जनसंख्या में बदलाव के साथ संधि में बदलाव जरूरी है।किसी संधि के लिए अच्छे रिश्ते जरूरी हैं। पाकिस्तान सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पुलिस ने 13 आरआर और 3 बटालियन सीआरपीएफ के संयुक्त कर्रवाई करते हुए आर्तकियों के तीन सहयोगियों को पकड़ा है। वे भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें हथियार व बारूद के साथ पकड़ लिया है।वही देश मे हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने सरकार से पूछा कि मदद प्रदान करने में इतना समय क्यों लगा? इस पर सरकार ने कहा कि 45 मिनट पैदल चलना पड़ता है, वहां पहुंचने में समय लगता है, कोई भी व्यवस्था नहीं थी।सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, सब कुछ सही है, फिर हम यहां क्यों बैठे हैं? जाहिर है कुछ गलत हुआ है. हम विपक्ष को सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताना चाहते हैं और आश्वासन देना चाहते हैं।विपक्षी दलों ने सुरक्षा चूक लेकर सवाल किया. सुरक्षा बल कहां थे? सीआरपीएफ कहां थी? जिस पर सरकार ने जवाब दिया कि स्थानीय अधिकारियों ने क्षेत्रों को खोलने से पहले सूचित नहीं किया, जबकि किया जाना चाहिए था, स्थानीय पुलिस को भी सूचित नहीं किया गया। यह आमतौर पर अमरनाथ यात्रा के दौरान जून में खुलता है, लेकिन स्थानीय टूर ऑपरेटरों ने इसे खोल दिया।सर्वदलीय बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा कि कश्मीर में शांति जरूरी है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर सरकार के साथ खड़े होने की बात कही है।पाकिस्तान ने अपने फाइटर जेट को बलूचिस्तान से भारतीय सीमा पर तैनात किया तो भारतीय वायुसेना ने अपनी ताकत दिखाई. वायुसेना की सेंट्रल कमान (प्रयागराज हेडक्वार्टर) ने आक्रमण युद्धाभ्यास किया। युद्धाभ्यास में मिराज और सुखोई के अलावा राफेल फाइटर जेट ने हिस्सा लिया है।जो दुश्मन देश को कड़ा जवाब देने की कार्यवाही मानी जा रही है।

**डॉ श्रीगोपाल नारसन**

# "कश्मीर में छद्म आतंकवाद"

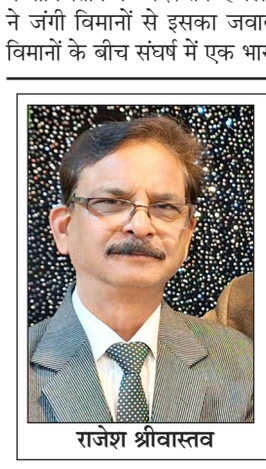

**राजेश श्रीवास्तव**

द रेजिस्टेंस फ्रंट जम्मू-कश्मीर में सक्रिय एक कट्टरपंथी आतंकी संगठन है, जिसे भारत सरकार लश्कर-ए-तैयबा का एक छद्म चेहरा मानती है। इसका गठन अगस्त 2019 में आर्टिकल 370 हटने के बाद हुआ, जब पाकिस्तान ने घाटी में बदले हालात का फायदा उठाकर आतंकवाद को स्थानीय रंग देने की साजिश रची। TRF इसी सुनियोजित योजना का उत्पाद है—एक ऐसा संगठन जो खुद को कश्मीरी युवाओं की आवाज बताकर वैश्विक मंच पर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करता है, जबकि इसकी रगों में बहता है लश्कर और क्रक का जहर। TRF का औपचारिक गठन अक्टूबर 2019 में हुआ। इसके पीछे शेख सज्जाद गुल नामक कट्टर आतंकी मास्टरमाइंड का दिमाग है, जिसे भारत ने 2022 में आधिकारिक रूप से आतंकवादी घोषित किया। इसका ऑपरेशनल कमांडर बासित अहमद डार रहा है, जो पहले लश्कर और हिजबुल जैसे संगठनों से जुड़ा रहा है। ळफ्क्ष दरअसल, इन पुराने आतंकी संगठनों का एक नया डिजिटल और छद्म चेहरा है, जिसे पाकिस्तान की क्रक ने इसलिए खड़ा किया ताकि अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद का वास्तविक चेहरा छिपाया जा सके। यह संगठन कश्मीर में आतंक फैलाने के लिए धर्मनिरपेक्षता और मानवाधिकार जैसे प्रतीकों का ढोंग करता है, लेकिन इसके निशाने पर होते हैं कश्मीरी पंडित, हिंदू, सिख और गैर-स्थानीय नागरिक। TRF सोशल मीडिया को युद्ध के हथियार की तरह इस्तेमाल करता है—वहां से युवाओं को कट्टरपंथ की आग में झोंकता है, भारत सरकार के खिलाफ जहर उगलता है और भयावह हिट लिस्ट जारी करता है। इसका उद्देश्य स्पष्ट है—कश्मीर में डर का ऐसा माहौल तैयार करना, जिसमें आतंकवाद को "जन आंदोलन" की शक्ल दी जा सके। TRF ने अब तक कई घातक हमलों की जिम्मेदारी ली है। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुआ हमला इसका सबसे क्रूर चेहरा सामने लाया, जब 28 निदोर्षों को मौत के घाट उतार दिया गया। इससे पहले फरवरी 2023 में कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की निर्मम हत्या, और अक्टूबर 2021 में श्रीनगर के स्कूल में हिंदू और सिख शिक्षकों की हत्या ने TRF की सांप्रदायिक नीयत को उजागर कर दिया। यह संगठन सुरक्षा बलों पर भी सुनियोजित हमले करता है और बार-बार घाटी की शांति को आग में झोंकने का प्रयास करता है। TRF को पाकिस्तान की सेना और क्रक से खुला समर्थन प्राप्त है—हथियार, ड्रोन के जरिए गिराए गए बारूद, फंडिंग, और नशे की तस्करी इसके संचालन के प्रमुख स्तंभ हैं। FATF जैसी संस्थाओं से बचने के लिए पाकिस्तान इसे छीळ से अलग दिखाता है, लेकिन असल में यह उसी जहरीले पेड़ की नई शाखा है। भारत सरकार ने जनवरी 2023 में TRF को UAPA के तहत आतंकी संगठन घोषित किया। NIA ने सज्जाद गुल पर इनाम घोषित किया है। 2022 में मारे गए 172 आर्तकियों में से 108 TRF से जुड़े थे, जो इस संगठन के तेजी से फैलते नेटवर्क और इसके खतरे की गहराई को दशार्ता है। श्रीनगर और उसके आसपास TRF से जुड़े कई सहयोगियों की गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है कि यह संगठन स्थानीय युवाओं को बरगला रहा है और कश्मीर को रक्तरंजित भविष्य की ओर ढकेल रहा है। TRF न केवल हत्यारा है, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक युद्ध का अगुआ है—यह धमकी भरे वीडियो, प्रचार सामग्री और "हिट लिस्ट" जारी कर समाज को भयभीत करने की कोशिश करता है। अप्रैल 2023 में फ्रर के 30 नेताओं को मारने की धमकी इसका उदाहरण है। यह डोमिसाइल नीति के खिलाफ जहर फैलाता है और कश्मीर के बहुलतावादी समाज को खंडित करना चाहता है। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए वीभत्स हमले ने राष्ट्र को झकझोर दिया। गृहमंत्री अमित शाह ने श्रीनगर पहुंचकर उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा की, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवल और विदेश मंत्री जयशंकर के साथ आपात बैठक की। उमर अब्दुल्ला और राहुल गांधी जैसे विपक्षी नेताओं ने भी हमले की तीव्र निंदा की, जो यह दशार्ता है कि आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता आवश्यक है। ळफ्क्ष जैसे संगठनों का समूल नाश भारत की सुरक्षा, कश्मीर की शांति और आम कश्मीरी की आजादी के लिए अपरिहार्य है। अब समय आ गया है कि इन जहरीले सांपों का फन कुचलने के लिए भारतीय सेना को बिना किसी राजनीतिक या ब्यूरोक्रेटिक बाधा के पूर्ण स्वतंत्रता दी जाए। यह लड़ाई अब पुलिस या अर्धसैनिक बलों के दायरे से बाहर जा चुकी है। TRF जैसे संगठनों को केवल एनकाउंटर की भाषा समझ आती है और उनके संरक्षकों को भी उसी तीव्रता से जवाब देना होगा। आधे-अधूरे उपाय अब काम नहीं आएंगे—यह निर्णायक युद्ध है, और इसमें ढिलाई का मतलब है और लाशें, और मातम। अगर अमरनाथ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की आतंकी घटना घटती है, तो वह न केवल सुरक्षा व्यवस्था की विफलता होगी, बल्कि हमारी राष्ट्रीय चेतना पर एक कलंक भी बन जाएगी। पहलगाम हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हम संकल्प लें कि हम आतंकवाद के इस चेहरे को बेनकाब करेंगे, इसे जड़ से उखाड़ फेकेंगे और कश्मीर को फिर एक बार शांति, सौहार्द और सभ्यता की भूमि बनाएंगे।

## संक्षिप्त डायरी

### दिल्लीवालों के 3 महीने में कट गए 8 करोड़ से ज्यादा के चालान

**नई दिल्ली /भव्य खबर।** दिल्ली की सड़कों पर हर दिन लाखों गाडिड़ां दौड़ती हैं। लेकिन गाडिड़ों के हिसाब से दिल्ली में पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। दिल्ली के लोग अपनी गाडिड़ां सड़क किनारे कहीं भी गलत तरीके से पार्क कर देते हैं। जब तक वे वापस आते हैं या तो उनका चालान कट चुका होता है या गाड़ी उठा ली जाती है। यही नहीं गलत पार्किंग करने पर सीसीटीवी में कैद होने पर गाड़ी मालिक को नोटिस भी भेज दिया जाता है। ट्रैफिक पुलिस नियम तोडड़े वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। दिल्ली में गलत पार्किंग के कारण आए दिन जाम लगने की समस्या आती है। ऐसे में गलत पार्किंग करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाती है। इसी कार्रवाई के तहत ट्रैफिक पुलिस ने एक जनवरी से लेकर 31 मार्च 2025 तक करीब एक लाख 67 हजार से अधिक गाडिड़ों का 500 रुपए का चालान काटा यानी करीब 8 करोड़ 35 लाख रुपये से अधिक का चालान काटा गया। इसके अलावा एक लाख 18 हजार से अधिक गाड़ी चालकों को गलत पार्किंग करने पर नोटिस भेजा गया। गलत पार्किंग की वजह से करीब 40 हजार 414 गाडिड़ों को क्रेन से उठाया गया। वहीं, 2024 में 1 लाख 89 हजार से अधिक गाडिड़ों को क्रेन से उठाया गया था। गलत पार्किंग करने पर दो पहिया वाहन पर 200 रुपए और चार पहिया वाहन पर 400 रुपए का फाइन है।

### दिल्ली में युवक को चाकू से गोदा उधर 50 लाख की हेरोइन के साथ तस्कर अरेस्ट

**नई दिल्ली /भव्य खबर।** नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली में कल रात बदमाशों ने एक बार फिर लॉ एंड ऑर्डर की धज्जियां उड़ा दीं। दरअसल भजनपुरा के सुभाष मोहल्ला इलाके में 6-7 बदमाशों ने एक युवक को घेरकर उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां शाकिर (28) को मृत घोषित कर दिया गया। भजनपुरा पुलिस ने मामले में हत्या का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार रात करीब 9:31 पर भजनपुरा पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि एक श स यहां सड़क पर घायल पड़ा हुआ है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल को अस्पताल ले गए हैं। वहां शाकिर को मृत घोषित कर दिया। क्राइम व एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने साक्ष्य जुटाए। इसके बाद मामले में केस दर्ज कर कर लिया गया। शाकिर सुभाष मोहल्ला, घोंडा में रहते थे। पुलिस परिजनों व स्थानीय लोगों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। बताया गया है कि शाकिर किसी काम से शुक्रवार बाहर जा रहे थे। उसी दौरान 6 से 7 बदमाशों ने उन्हें रास्ते में घेर लिया। इसके बाद उन पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपियों ने शाकिर से लूटपाट करने की कोशिश की थी। उसका विरोध करने पर ही शाकिर को मौत के घाट उतारा गया है।

### कोटा में नीट की तैयारी कर रहे दिल्ली के छात्र ने दी जान

**नई दिल्ली /भव्य खबर।** मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए होने वाली नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) की तैयारी के लिए कोटा गए दिल्ली के छात्र ने हाल ही में कोटा में आत्महत्या कर ली थी। वह दिल्ली के तुगलकाबाद का रहने वाला था और इस साल होने वाली परीक्षा में नहीं बैठना चाहता था। उसने अपने परिजनों से कहा था कि वह तैयारी के लिए एक साल और चाहता है, जिसके लिए उसका परिवार राजी भी हो गया था। हालांकि फिर भी उसने खुदकुशी जैसा कदम यों उठा लिया, यह बात उसके माता-पिता को समझ नहीं आ रही है। वहीं पुलिस का कहना है कि मृतक के कमरे से बरामद कथित 'सुसाइड नोटइ में उसने कहा है कि उसके इस कदम के पीछे न तो उसका परिवार और न ही नीट-यूजी की तैयारी कारण है। मृतक छात्र का नाम रोशन शर्मा (23) है, जिसके पिता रणजीत शर्मा हैं, जो कि दिल्ली में बढ़ई का काम करते हैं और हाल ही में बेटे का शव लेने कोटा पहुंचे थे। शर्मा कुछ दिन पहले ही अपनी पत्नी के साथ बेटे को कुछ दिन के लिए घर ले जाने यहां आए थे लेकिन तब उसने उनके साथ जाने से मना कर दिया था। यहां तक कि माता-पिता उसका सामान भी साथ ले गए थे, लेकिन तब भी वह उनके साथ नहीं गया। माता-पिता के अनुसार उनके बेटे रोशन ने कुछ ह ते पहले ही अचानक उनसे कहा था कि वह इस साल चार मई को होने वाली नीट-यूजी की परीक्षा नहीं देगा। उनके दिल्ली लौटने के तीन दिन बाद गुरुवार को उन्हें खबर मिली कि उनके बेटे का शव यहां रेल लाइन के पास झाडिड़ों से बरामद हुआ है। शव के पास मिले मोबाइल से उसकी पहचान हो सकी। यहां एक अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर बेटे को याद करके शर्मा बेकाबू होकर रोने लगते हैं। उन्होंने बताया कि उनका बेटा पिछले तीन साल से नीट की तैयारी कर रहा था और हाल ही में उसने अपनी बहन से कहा था कि वह इस परीक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं है, और इसके लिए उसे एक और साल की जरूरत है। रोशन के पिता ने कहा, 'हमारा बेटा पढ़ाई में बहुत अच्छा था, कोचिंग संस्थान में होने वाले नियमित टेस्ट्स में 550 से 600 अंक लाता था। ऐसे में परीक्षा से कुछ दिन पहले आत्महत्या करने का कारण समझ में नहीं आ रहा। बता दें कि नीट-यूजी परीक्षा के लिए आदर्श स्कोर 720 है।

### दिल्ली में यमुना नदी की दुर्दशा का कारण सिर्फ प्रदूषण नहीं बल्कि कुछ और

**नई दिल्ली /भव्य खबर।** राष्ट्रीय राजधानी में यमुना की खस्ताहालत के लिए प्रदूषण ही नहीं बल्कि पानी का कम बहाव भी एक बड़ा कारण है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की ओर से तैयार रिपोर्ट के मुताबिक, नदी में न्यूनतम प्रवाह के लिए जरूरी पानी का आधा हिस्सा भी नहीं है। अगर प्रवाह निर्बाध हो तो नदी में मौजूद कचरा भी अपने आप छंट जाता है। दिल्ली के बड़े नालों से सीधे यमुना में गिरने वाले गंदे पानी की वजह से प्रदूषण का स्तर इतना अधिक है कि नदी का जलीय जीवन लगभग नष्ट हो चुका है। डीपीसीसी की रिपोर्ट में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी, रुड़की के हवाले से बताया गया है कि हथिनी कुंड बैराज और ओखला बैराज के बीच मई जैसे सूखे महीने में भी पर्यावरणीय प्रवाह 190 एमजीडी रहता है।

# दिल्ली में आयोजित हुई द्वितीय एशियाई योगासन खेल चैम्पियनशिप, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में हाल ही में द्वितीय एशियाई योगासन खेल चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, और अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस चैंपियनशिप का उद्देश्य एशिया में योगासन के खेल को बढ़ावा देना और इसके महत्व को जन-जन तक पहुँचाना था।

इस प्रतिष्ठित आयोजन में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने विशेष रूप से उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और योगासन खेलों के महत्व पर जोर दिया। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और खेलों के आयोजकों की सराहना की। इसके अलावा, इस अवसर पर अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भागीदारी दी।

**प्रतियोगिता में विभिन्न देशों के खिलाड़ियों ने लिया भाग**

इस प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, श्रीलंका, बांगलादेश, और अन्य एशियाई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में योगासन के विभिन्न प्रकार जैसे कि वृक्षासन, ध्यानासन, और सर्वांगासन सहित कई अन्य योगासन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने उद्घाटन समारोह के दौरान अपने संबोधन में कहा, ÷योगासन केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और आध्यात्मिक समृद्धि का भी रास्ता है। ऐसे आयोजनों से योग की संस्कृति को वैश्विक स्तर पर फैलाने में मदद मिल रही है।÷ उन्होंने यह भी कहा कि भारत में योग की प्राचीन परंपरा को पुनः जीवित करने के लिए ऐसे खेलों का आयोजन आवश्यक है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, 'हमारी दिल्ली योग के लिए एक आदर्श स्थल बन चुकी है। यहां इस तरह के आयोजनों से न केवल हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को भी प्रोत्साहित करता है।'

**खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर जोर**

इस अवसर पर कई खिलाड़ियों ने अपनी बेहतरीन योगासन तकनीकों का प्रदर्शन किया, जिससे दर्शकों ने भी भव्यता का अनुभव किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शेखावत और गुप्ता ने विजेताओं को अपनी शुभकामनाएं दीं और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए प्रोत्साहित किया।

## हिट एंड रन मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपित को कोलकाता से किया गिरफ्तार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बाहरी उत्तरी जिले के भलस्वा लैंडफिल क्षेत्र में पिछले महीने पुलिस के एक हेड कांस्टेबल के साथ हुए हिट एंड रन के एक मामले में आरोपित को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान करमवीर के रूप में हुई है। करमवीर पुलिसकर्मी को करीब सात किलोमीटर तक बोनट पर लटकाकर ले गया था।

बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी निधिन वलसान ने शनिवार को बताया कि घटना 22 अप्रैल की सुबह 6.28 बजे हुई। घटना के समय पीसीआर बाहरी उत्तरी जोन में तैनात हेड कांस्टेबल प्रवीण और एएसआई नवीन ने भलस्वा लैंडफिल के पास जीटीके बाईपास के निकट एक संदिग्ध सफेद कार को रोका। उन्हें शक था कि वाहन का इस्तेमाल शराब ले जाने के लिए किया जा रहा था। डीसीपी ने बताया कि जब ड्राइवर को बाहर निकलने के लिए कहा गया तो उसने भागने की कोशिश की। कार को रोकने के लिए हेड कांस्टेबल प्रवीण गाड़ी के सामने खड़े हो गए। इस पर चालक ने अचानक कार को सीधे कांस्टेबल की ओर बढ़ा दी, जिससे कांस्टेबल बचने के प्रयास में बोनट पर पहुंच गए।डीसीपी के अनुसार प्रवीण बोनट से चिपके हुए थे और चालक कार को आज़ादपुर की ओर तेज रफ्तार से दौड़ाता रहा। जब कार धीमी हुई तो प्रवीण आज़ादपुर मंडी के पास कूदने में कामयाब हो गए। घायल होने और बोनट और विंडशील्ड के बीच फंसे अपने मोबाइल फोन को निकालने में असमर्थ प्रवीण ने एक राहगीर का फोन लिया और पीसीआर को सूचित किया। उनकी उंगलियों और बाएं टखने में चोटें आईं। मामले की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने उनके बयान के आधार पर, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत भलस्वा डेयरी थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। डीसीपी के अनुसार मामले की जांच करने पर आरोपित की पहचान करमवीर के रूप में हुई। इस बीच पुलिस को पता चला कि आरोपित शहर से भागकर कोलकाता जाने वाली ट्रेन में सवार हो गया है। पुलिस ने तुरंत एक टीम कोलकाता भेजी। जहां कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि करमवीर को आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है।

## हिंदू समाज को अपने धर्म को समझने की जरूरत: भागवत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत की शास्त्रार्थ परंपरा सत्य को सहमति से स्थापित करती है। हिंदू मैनिफेस्टो इसी उद्देश्य से प्रस्तावित है, जो व्यापक चर्चा और सहमति के लिए प्रमाणित पुस्तक है। यह विश्व को नया रास्ता देने का भारत का कर्तव्य है, क्योंकि 2000 वर्षों के आस्तिक, नास्तिक और जड़वादी प्रयोग असफल रहे। भौतिक सुख बढ़ा, लेकिन असमानता और पर्यावरण हानि भी बढ़ी।

एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि भारत की प्राचीन दृष्टि पर आधारित जीवन व्यवस्था स्थापित होनी चाहिए। पुस्तक में आठ सूत्र पूर्ण हैं, लेकिन भाष्य काल और परिस्थिति के अनुसार बदलते हैं। पिछले 1500 वर्षों से नया शास्त्र नहीं आया, जिसके कारण जाति व्यवस्था जैसे दोष समाज में आए। वेदों का सही भाष्य आज आवश्यक है। शास्त्रों में अस्पृश्यता या जाति का कोई स्थान नहीं, जैसा उडुपी के संत समाज ने भी कहा।

उन्होंने जोर दिया कि अहिंसा हमारा स्वभाव है, लेकिन आततायियों को सबक सिखाना भी धर्म है। पड़ोसियों को तंग नहीं करते, लेकिन उपद्रव करने वालों को दंड देना राजा का कर्तव्य है। भ्रष्टाचारियों को छोड़ना उचित नहीं, क्योंकि धर्म में अर्थ और काम को मर्यादा में रखना जरूरी है। धर्म को केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं करना चाहिए; यह सत्य, करुणा और सुचिता है। हिंदू समाज को अपने धर्म को समझने की जरूरत है। हिंदू मैनिफेस्टो शास्त्रार्थ के माध्यम से शुद्ध परंपरा को सामने लाएगा और कालानुरूप स्वरूप स्थापित करेगा। यह पुस्तक विश्व कल्याण के लिए है, और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए।

## बीबी रंजीत कौर और सुखविंदर सिंह बब्बर शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट में हुए शामिल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शिरोमणि अकाली दल (बादल) को उस समय बड़ा झटका लगा जब इसके दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के दो सदस्य बीबी रंजीत कौर और सरदार सुखविंदर सिंह बब्बर आज कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों की अगुवाई में शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट में शामिल हो गए। इन सदस्यों का पार्टी में स्वागत करते हुए सरदार कालका और सरदार काहलों ने कहा कि दिल्ली की संगत पहले ही देख चुकी है कि कमेटी की मौजूदा टीम ही सही मायनों में संगत की सेवा कर रही है। इस टीम ने न केवल गुरुद्वारा बंगला साहिब में एक बेहतरीन हेल्थ सेंटर चलाया जिसमें मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं, बल्कि बाला साहिब अस्पताल और अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं और गुरु घरों की सेवा भी अच्छी तरह से निभाई जा रही है। उन्होंने कहा कि संगत द्वारा दिए गए समर्थन के मुताबिक मौजूदा टीम दिल्ली की संगत की सेवा करते हुए लोगों को गुरसिखी अनुसार जीवन जीने के लिए प्रेरित कर रही है, और सिख रीति-रिवाजों के अनुसार गुरु साहिबान और गुरबाणी के अनुसार बड़े-बड़े त्योहार भी धूमधाम से मनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा टीम द्वारा विशेष रूप से नौजवानों और बच्चों को गुरसिखी जीवन से जोड़ने के प्रयास से संगत में खुशी की लहर है और संगत ने इस प्रयास के लिए टीम को आशीर्वाद और उत्साह भी दिया है।

उन्होंने कहा कि आज बीबी रंजीत कौर और सरदार सुखविंदर सिंह बब्बर के शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट में शामिल होने से पार्टी और मजबूत हुई है, और इन दोनों अनुभवी नेताओं की पार्टी में शमूलियत से इसे और भी उत्साह मिला है। उन्होंने दोनों वरिष्ठ नेताओं का इस फैसले के लिए धन्यवाद भी किया। इस मौके पर बीबी रंजीत कौर और सरदार सुखविंदर सिंह बब्बर ने कहा कि पिछले लगभग चार वर्षों में उन्होंने देखा है कि मौजूदा टीम किस समर्पण भाव से संगत की सेवा कर रही है, और इसी कारण उन्होंने शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट में शामिल होने का निर्णय लिया ताकि वे दिल्ली की संगत की सेवा कर सकें। इस अवसर पर दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य और अन्य संगतें बड़ी संख्या में मौजूद थीं।

# एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने सरोजिनी नगर मार्केट में सफाई अभियान का किया नेतृत्व

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शुक्रवार की देर रात सरोजिनी नगर में सफाई अभियान का नेतृत्व किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि इससे पहले यह अभियान खान मार्केट और जनपथ मार्केट में सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि गहन सफाई मुहिम 'विकसित एनडीएमसी @2047' के विजन की दिशा में एक मजबूत कदम है। जो राजधानी को आधुनिक, साफ-सुथरा और नागरिकों के लिए सुगम बनाने की दिशा में कार्यरत है। चहल ने बताया कि अब इन बाजारों में यह नियमित रात्रिकालीन गीली सफाई व्यवस्था के रूप में जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी का लक्ष्य है कि आने वाले तीन महीनों में सभी प्रमुख बाजारों और आवासीय परिसरों तक बढ़ाया जाए।

चहल ने कहा कि सरोजिनी नगर दिल्ली का एक प्रमुख और अत्यंत व्यस्त बाजार है। इस बाजार में हजारों की संख्या में प्रतिदिन लोगों का आना-जाना रहता है। यहां सफाई से न केवल ग्राहकों और दुकानदारों को लाभ होगा बल्कि पूरे क्षेत्र की छवि में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हजारों की संख्या में सरोजिनी नगर मार्केट आने वाले आगंतुकों को स्वच्छ एवं साफ वातावरण मिले। उसी को ध्यान में रखते हुए यह सफाई अभियान रात 11 बजे से सुबह तीन बजे तक चलाया गया। इसमें पहले सूखी सफाई और फिर गीली सफाई की गई। स्वास्थ्य विभाग की 12 सदस्यीय टीम ने सुपरवाइजर के साथ मिलकर यह कार्य किया।

चहल ने बताया कि सफाई के लिए मैकेनिकल रोड स्वीपर, हाई प्रेशर जेट वॉश और डिसइंफेक्टेंट तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे सड़कें, नालियां और फुटपाथ पूरी तरह साफ हुए। उन्होंने कहा कि अब यह कार्य दैनिक रूप से जारी रहेगा। एनडीएमसी का यह मॉडल जल्द ही कनॉट प्लेस, पंडारा रोड, गोल मार्केट, मालचा मार्ग, खन्ना मार्केट, शंकर मार्केट, यूसुफ सराय सहित अन्य प्रमुख बाजारों में लागू किया जाएगा। एनडीएमसी के सभी आवासीय परिसरों में भी यह अभियान स्थानीय आरडब्ल्यू और निवासियों के सहयोग से शुरू किया जाएगा।

सरोजिनी नगर बाजार एसोसिएशन और व्यापारियों ने एनडीएमसी के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि इससे बाजार का माहौल न केवल साफ हुआ है बल्कि ग्राहकों के अनुभव में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। इस अवसर पर खान मार्केट एसोसिएशन, बापू मार्केट एसोसिएशन, सरोजिनी नगर सब्जी मंडी एसोसिएशन के प्रतिनिधियो, बड़ी संख्या में दुकानदारों, स्वास्थ्य एवं सिविल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और परिषद के सफाई सेवकों ने भाग लेकर अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

## दिल्ली में पाकिस्तानियों की तलाश हुई तेज, मंत्री आशीष सूद ने लोगों से की यह मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से उनके राज्य में रहने वाले पाकिस्तानियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने को कहा है। दिल्ली सरकार व दिल्ली पुलिस भी पाकिस्तानियों की पहचान शुरू कर दी है। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने दिल्लीवासियों से इसमें सहयोग करने की अपील की है। केंद्र सरकार ने पाकिस्तानियों को दिए गए वीजा (दीर्घकालिक वीजा, राजनयिक एवं आधिकारिक वीज़ा को छोड़कर) तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए हैं। सूद का कहना है कि पाकिस्तान के नागरिकों को 26 से 29 अप्रैल तक भारत से बाहर निकलने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को नया वीजा जारी नहीं किया जाएगा।

**पाकिस्तानियों की खोज कर उन्हें बाहर निकालने के निर्देश**

दिल्ली सरकार दिल्ली में पाकिस्तानी नागरिकों के अवैध प्रवास से उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं से पूरी तरह से सजग है। केंद्र सरकार के निर्णयों के अनुरूप दिल्ली पुलिस को सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर उनके निष्कासन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सभी नागरिकों को भी सुरक्षा एजेंसियों की मदद करनी चाहिए। किसी पाकिस्तानी नागरिक के बारे में जानकारी मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन को भी सूचित करें।

## डीडीए खेल परिसर में लोग सीख सकेंगे योग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के विभिन्न खेल परिसरों में अब योग की सुविधा मिलेगी। इसके लिए डीडीए ने मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान से समझौता किया है। इसके तहत वसंत कुंज खेल परिसर, रोशनारा क्लब, पूर्व दिल्ली खेल परिसर, सिरी फोर्ट खेल कॉम्प्लेक्स और हरि नगर खेल कॉम्प्लेक्स में योग पर आधारित पाठयक्रम शुरू किए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि डीडीए के इन खेल परिसरों में लोग रोजाना सुबह और शाम को योग का प्रशिक्षण ले सकेंगे। इसके लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

# भाजपा ने प्रदूषण के नाम पर दिल्ली की जनता को गुमराह करने का किया षड्यंत्र : सौरभ भारद्वाज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार पर प्रदूषण के मामले में जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा ने चुनाव पूर्व दिल्ली में प्रदूषण खत्म करने के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद वे वादे पूरी तरह से झूठे साबित हुए हैं। उन्होंने कहा, 'भाजपा ने दिल्ली की जनता को गुमराह करने के लिए जानबूझकर हरित क्षेत्रों में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन लगाए हैं। जंगलों और हरे-भरे इलाकों में प्रदूषण का स्तर स्वाभाविक रूप से काफी कम होता है, और भाजपा इस तथ्य का इस्तेमाल कर जनता के सामने प्रदूषण के स्तर को कृत्रिम रूप से कम दिखा रही है।'

'आप' नेता ने इसे दिल्ली की जनता के खिलाफ एक 'आपराधिक षड्यंत्र' करार दिया। उन्होंने बताया कि दिल्ली में पहले से ही 40 एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन हैं, जो आबादी और औद्योगिक क्षेत्रों के अनुपात में लगाए गए थे। लेकिन भाजपा सरकार ने जिन छह नई जगहों पर मॉनिटरिंग स्टेशन लगाने का निर्णय लिया है, वे सभी हरित क्षेत्र हैं - जैसे सेंट्रल रिज, जेएनयू परिसर, इग्नू के पीछे का मैदानगढ़ी जंगल, अक्षरधाम के पास यमुना किनारे कॉमनवेल्थ गेम्स कॉम्प्लेक्स और एनएसटीयू कैंपस।

उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि शुक्रवार को वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में एक्यूआई 373 दर्ज किया गया था, रोहिणी के रिहायशी इलाके में 334, जबकि मंदिर मार्ग के हरित क्षेत्र में एक्यूआई 156 रहा। भाजपा सरकार का इरादा हरित इलाकों में मॉनिटरिंग स्टेशन लगाकर प्रदूषण के वास्तविक स्तर को छिपाने का है।

उन्होंने आशंका जताई कि आने वाले समय में औद्योगिक और घनी आबादी वाले इलाकों में लगे मॉनिटरिंग स्टेशनों को जानबूझकर खराब कर दिया जाएगा, ताकि केवल हरित क्षेत्रों के आंकड़ों के आधार पर यह प्रचार किया जा सके कि दिल्ली में प्रदूषण काफी कम हो गया है।

सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से पूछा है कि किस अधिकारी ने जंगलों में मॉनिटरिंग स्टेशन लगाने का निर्णय लिया? क्या इन स्थलों के चयन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की गाइडलाइंस का पालन किया गया? यदि नहीं, तो क्या संबंधित अधिकारी के खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई?

'आप' नेता ने कहा कि यदि कोई कार्रवाई नहीं हुई है, तो इससे साफ जाहिर होता है कि दिल्ली सरकार भी इस साजिश में शामिल है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, 'अगर केवल अच्छा आंकड़ा दिखाना ही मकसद है, तो सरकार अपने मंत्रियों के ड्राइंग रूम में ही एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन लगा ले। दिल्ली सरकार कोई 'फुलेरा की पंचायत' नहीं है, जहां मनमर्जी से निर्णय लिए जाएं। दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

## संक्षिप्त डायरी

### धोखाधड़ी केस में बीजेपी नेता विजय मिश्रा पर आरोप तय, कोर्ट ने 5 घंटे कस्टडी में रखा,फिर वारंट रिकॉल किया, राहुल गांधी पर दर्ज कराया है केस

**सुलतानपुर/भव्य खबर।** रायबरेली के सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराने वाले सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता विजय मिश्रा को शुक्रवार को कोर्ट ने पांच घंटे कस्टडी में रखा। यह 2007 के धोखाधड़ी मामले में शुक्रवार को भाजपा नेता विजय मिश्रा पर आरोप तय कर दिए गए। सुलतानपुर के सीजेएम नवनीत सिंह ने धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों पर सुनवाई की, जिसके तहत यह मामला 18 साल बाद कोर्ट में पुनः आया। यह मुकदमा लम्भुआ कोतवाली के धरियामऊ निवासी संतराम तिवारी द्वारा दर्ज कराया गया था, जिसमें विजय मिश्रा के अलावा मुन्ना जायसवाल और अधिवक्ता कौशलेंद्र प्रताप मिश्र भी आरोपी हैं। मुकदमे के अनुसार, विजय मिश्रा ने संतराम तिवारी से भूमि विक्रय का इकरारनामा किया था। 12 सितंबर 2007 को उन्होंने एक अन्य व्यक्ति से फर्जी हस्ताक्षर करवा कर जमीन को मुन्ना जायसवाल की पत्नी मीरा देवी को बेच दिया। इस मामले में न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया था।शुक्रवार को विजय मिश्रा कोर्ट में हाजिर नहीं हुए, जिसके बाद सीजेएम ने उनके खिलाफ वारंट जारी कर दिया। जानकारी मिलने पर वे कोर्ट पहुंचे, और पांच घंटे की कस्टडी में रहने के बाद कोर्ट ने उनका वारंट रिकॉल किया। इस मामले में सभी आरोपियों पर धोखाधड़ी, जालसाजी और छल कपट के आरोप तय किए गए हैं। अगली सुनवाई 30 मई को होगी।

### आईएएस बनने का सपना लिए आदर्श ने बढ़ाया जिले का मान, 96.80% अंकों के साथ प्रदेश में हासिल किया दूसरा स्थान

**सुलतानपुर/भव्य खबर।** यूपी बोर्ड ने शुक्रवार को इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 का परिणाम घोषित किया, जिसमें सुलतानपुर जनपद का नाम एक बार फिर शिखर पर पहुंचा दिया महमूदपुर जंगल (मोतिगरपुर) निवासी आदर्श यादव ने। सरस्वती विद्या मंदिर, झारखंड कादीपुर के छात्र आदर्श ने 96.80 प्रतिशत अंक (500 में 484 अंक) अर्जित कर पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस असाधारण उपलब्धि से आदर्श न केवल अपने विद्यालय, परिवार, और जनपद का गौरव बने, बल्कि यूपी बोर्ड के इतिहास में भी एक प्रेरणादायक नाम जोड़ दिया। रोजाना 15 घंटे की पढ़ाई ने बदला भविष्य आदर्श की सफलता यूं ही नहीं मिली। उनकी मां ललिता यादव, जो स्वयं सहायक अध्यापिका हैं, बताती हैं कि आदर्श बचपन से ही अत्यंत मेधावी रहा है। वे बताती हैं, "वह दिन में 10 से 15 घंटे पढ़ाई करता था। मोबाइल और टीवी से दूरी बनाकर सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान देता था।" पिता विनदेश्वरी यादव मुंबई में मोबाइल की दुकान चलाते हैं। परिवार में दो भाई और दो बहनें हैं–शालू यादव शिक्षिका हैं, बड़े भाई विश्वास एमए कर रहे हैं और छोटी बहन आस्था भी पढ़ाई में व्यस्त हैं। अपनी सफलता पर आदर्श ने कहा, मैं आगे यूपीएससी की तैयारी कर आईएएस अधिकारी बनना चाहता हूं। इस सफलता का श्रेय मैं अपने माता-पिता और गुरुओं को देता हूं। मैं अपने साथियों से कहूंगा कि वे अपने गुरुओं का सम्मान करें और निरंतर मेहनत करें। सफलता जरूर मिलेगी।

### पाकिस्तानी आतंकी हाफिज सईद पर बृजभूषण का बड़ा बयान, कहा- टुच्चों की बात नहीं सुनता भारत

**सुलतानपुर/भव्य खबर।** पूर्व भाजपा सांसद और कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने श-ुक्रवार को सुलतानपुर में एक दिवसीय दौरे पर आकर नगर स्थित एमजीएस इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जनपदीय वार्षिक सम्मलेन और शैक्षिक गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने पाकिस्तानी आतंकी हाफिज सईद पर तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि हाफिज सईद की कोई हैसियत नहीं है, वह छिप-छिपकर घूम रहा है। बृजभूषण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि, "प्रधानमंत्री मोदी ने जो निर्णय लिया है, उस पर पूरा देश खड़ा है। पाकिस्तान को इस-ाका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कश्मीर मुद्दे पर बोलते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, "नेहरू जी ने ऐसा बीज बोकर गए थे, जिसका फल आज तक हमें भुगतना पड़ रहा है। ये सवाल उनकी नीतियों के परिणाम स्वरूप उत्पन्न हुआ है और इसके लिए वे ही जिम्मेदार हैं।" उन्होंने भाजपा द्वारा धारा 370 को समाप्त करने के निर्णय का भी समर्थन किया और कहा, "अब ये बचे-खुचे आतंकवादी जो अपनी अंतिम सांसें ले रहे हैं, उनका सफाया भी भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के हाथों होगा।कार्यक्रम के दौरान बृजभूषण ने अपने ऊपर लगे आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मुझे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया गया है, लेकिन मैं लोगों की राय पर ध्यान नहीं देता। व्यक्ति को केवल अपने कर्मों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

### शातिर जिला टाप बुकी जुआ माफिया कल्लू निषाद सहित 3 सटोरिये गिरफ्तार

**उन्नाव/भव्य खबर।** पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार सिंह (उत्तरी), क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पयार्वेक्षण में थाना गंगाघाट की सयुक्त पुलिस टीम द्वारा 04 सटोरियों को कब्जे से कुल 3,65,000/- रुपये सट्टा राशि, 03 अदद मोबाइल, एक अदद सफेद स्कार्पियों नम्बर वढ 78 ए 4620 बरामद कर गिरफ्तार किया गया। ज्ञात हो कि थाना गंगाघाट की सयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर पश्चिमी चौकी क्षेत्र में गंगा किनारे रेती के पास बाढ़ केन्द्र के सामने से सट्टा खेलते हुये अभियुक्तगण 01. बादल निषाद पुत्र रामेश्वर निषाद नि0 3/328 आदर्श नगर 2.मुकेश कुमार उर्फ मिन्टू श्रीवास्तव पुत्र मुरारीलाल श्रीवास्तव नि0 1/690 अम्बिकापुरम शुक्लागंज 3.सौरभ मिश्रा उर्फ कल्लू पुत्र राजेश कुमार मिश्रा नि0 मिश्रा कालौनी 4.आश्चर्य अवस्थी उर्फ फुल्लू पुत्र अनूप कुमार अवस्थी नि0 मिश्रा कालौनी थाना गंगाघाट को कब्जे से 3,58000/- रुपए का माल फड़ तथा 7000/- रुपए जामा तलाशी, 03 अदद मोबाइल, 01 स्कार्पिओ कार सफेद रंग नं0 वढ78ए 4620 बरामद कर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना गंगाघाट पर मु0अ0स0 217/25 धारा 13 जुआं अधिनियम बनाम उपरोक्त पंजीकृत किया गया है, आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

# बीवी को इंस्टा पर गैर से प्यार...पति के पीठ पीछे की दूसरी शादी

## केरल से लौटा तो किया ऐसा कांड यकीन न होगा

**मैनपुरी । बिछवां थाना इलाके के गांव सुन्नामई के समीर हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में समीर की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि प्रेमी रिंकू ने अपने मौसेरे भाई के साथ मिलकर समीर की हत्या की थी। पुलिस ने हत्या की आरोपी पत्नी मीरा और उसके प्रेमी रिंकू चौहान को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि दो साल पहले ही मीरा ने प्रेमी रिंकू चौहान से मंदिर में शादी कर ली थी। संबंधों में बाधा बन रहे पति की 31 मार्च की रात पत्थर से प्रहार कर हत्या कर शव हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र में फेंका था। रिंकू का मौसेरा भाई नीलेश भी इस वारदात में शामिल था। मीरा और रिंकू को जेल भेज दिया है। नीलेश की तलाश जारी है। एसपी सिटी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी रिंकू और मीरा ने स्वीकार है कि 30 मार्च को समीर और मीरा बेवर में एक शादी समारोह में गए थे। वहां मीरा ने रिंकू को बुला लिया था। तय योजना के तहत फ्रिज और टीवी खरीदने के लिए रिंकू के साथ समीरा को भेज दिया था। रिंकू ने समीर को एटा से किश्तों पर दोनों सामान दिलाने के लिए कहा। समीर, भरोसा कर रिंकू के साथ चला गया। एटा पहुंचकर रिंकू ने अपने मौसेरे भाई नीलेश को बुला लिया। नीलेश और रिंकू इसके बाद समीर को सिंकदराराऊ, हाथरस ले गए। वहां जीटी रोड हाईवे किनारे पत्थरों से प्रहार करते हुए समीर की हत्या कर शव फेंक दिया था। रिंकू और मीरा दो साल से अधिक समय से संबंधों में थे। पहले समीर केरल में नौकरी करता था। मगर, पिछले कुछ समय से वह घर पर ही आकर रहने लगा था। इस वजह से रिंकू और मीरा के संबंध में अड़चन आ रही थी। वह लोग मिल नहीं पा रहे थे। समीर को रास्ते से हटाने के लिए मीरा और रिंकू चौहान ने हत्या करने की योजना बनाई थी। 31 मार्च की रात समीर की हत्या के बाद छह अप्रैल को मीरा, रिंकू के साथ चली गई। दोनों बच्चों को घर पर ही छोड़ गई। 15 अप्रैल को समीर की पत्नी मीरा ने अपने प्रेमी रिंकू चौहान के साथ एटा में पुनर्विवाह की रजिस्ट्री के लिए आवेदन किया। इसमें दो साल पूर्व शादी करने का जिक्र किया गया है। समीर के परिजन को इसकी जानकारी हो गई। समीर के लापता होने के बाद मीरा की इस हरकत से परिजन को यकीन हो चुका था कि समीर के साथ कुछ अनहोनी हुई है। उनकी ये आशंका आखिरकार सही साबित हुई। पुलिस ने समीर की पत्नी मीरा और प्रेमी रिंकू चौहान निवासी लोहा बादशाहपुर थाना बागवाला एटा को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि समीर केरल में नौकरी करता था। इस दौरान पत्नी मीरा की रिंकू चौहान से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हो गई थी। कुछ ही दिनों में दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों ने साथ जीने मरने की कसमें खाईं। एक दूसरे से मिलने लगे, रिंकू तो मीरा से मिलने के लिए किराए के घर में भी आता था। जबसे समीर घर आ गया तो मीरा और रिंकू का मिलना जुलना बंद हो गया था। पत्नी के धोखे का शिकार हुए समीर को आखिरी वक्त में अपनों का कंधा भी नसीब नहीं हो सका। पत्नी मीरा ने अपने प्रेमी रिंकू चौहान व नीलेश के साथ मिल कर बेरहमी से हत्या कर दी। मगर परिजन को इस बारे में कुछ भी जानकारी नहीं हो सकी। तीन दिन तक शव हाथरस की मोर्चरी में अज्ञात में रखा रहा। आखिरकार 72 घंटे पूरे होने के बाद पुलिस ने समीर का अंतिम संस्कार कर दिया। मूल रूप से कस्बा बिछवां के गांव सुन्नामई का रहने वाला 35 वर्षीय समीर परिजन से विवाद के बाद पत्नी मीरा के साथ सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला वंशीगौहरा में एक किराए के मकान में रह रहा था। 31 मार्च को अचानक समीर लापता हो गया था। उसकी भाभी राधा देवी ने 10 अप्रैल को एसपी को लापता होने व हत्या कर शव गायब करने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया था। अगले दिन 11 अप्रैल को समीर के भाई सुशील ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने मीरा, रिंकू और समीर की मोबाइल लोकेशन निकलवाई तो वह एक साथ हाथरस के सिंकदराराऊ में जीटी रोड हाईवे पर मिली। सिंकदराराऊ पुलिस से संपर्क हुआ तो पता लगा था कि एक अप्रैल की सुबह हाईवे किनारे एक शव मिला था। इसका अज्ञात में पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार भी करा दिया था। परिजन ने फोटो के आधार पर उक्त मृतक की पहचान समीर के रूप में की थी। तब यह वारदात खुली।**

## अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा बरसैना गांव

**संवाददाता**

**कुशीनगर।** अखिलेश यादव का प्राइवेट विमान कुशीनगर में नहीं उतर पाया। सिग्नल न मिलने की वजह से उन्हें 50 किलोमीटर दूर गोरखपुर भेज दिया गया। शनिवार सुबह साढ़े 10 बजे अखिलेश लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट से कुशीनगर के लिए रवाना हुए थे। वे कुशीनगर पहुंचने वाले थे, लेकिन ऐन वक्त पर एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से सूचना दी गई कि सिग्नल नहीं मिल रहा है, इसलिए लैंडिंग नहीं हो सकती। इसके बाद अखिलेश का विमान का रूट गोरखपुर डायवर्ट कर दिया। अखिलेश के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता जुटे थे। जैसे ही उन्हें यह जानकारी मिली कि हेलिकॉप्टर कुशीनगर में नहीं उतर सका, वे भड़क गए। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने अपनी खामियां छुपाने के लिए अखिलेश का विमान कुशीनगर में नहीं उतरने दिया। फिलहाल, अखिलेश यादव गोरखपुर से सड़क मार्ग से कुशीनगर पहुंच गए हैं। यहां उन्होंने मदनी मस्जिद के प्रमुख पक्षकार शाकिर अली खान को श्रद्धांजलि अर्पित की। शाकिर अली खान का 20 फरवरी को हार्ट अटैक से निधन हो गया था। शाकिर अली खान के परिवार से मिलने के बाद अखिलेश यादव पूर्व विधायक के घर के लिए रवाना हो गए। लेकिन रास्ते में सपा कार्यकताओं ने उनका काफिला रोक लिया। उनका स्वागत किया। कार्यकताओं से मुलाकात करने के बाद अखिलेश पूर्व विधायक पूर्णमासी देहाती के घर पहुंच चुके हैं। अखिलेश यादव पूर्व विधायक स्व. पूर्णमासी देहाती के श्राद्ध भोज में शामिल होने पहुंचे। अखिलेश पूर्व विधायक के घर से करीब 20 मिनट रुके। वहां से वह पूर्व जिलाध्यक्ष सुकुरुल्लाह अंसारी के घर के लिए निकल गए हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष सुकुरुल्लाह अंसारी की कुछ समय पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

## भाजपा के विविध कार्यक्रमों में भाग लेंगे धर्मेन्द्र सिंह और शकुंतला चौहान

**संवाददाता**

**कुशीनगर।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार 27 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात, एक देश एक चुनाव प्रबुद्ध सम्मेलन और वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के हवाले से जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने दी। उन्होंने बताया कि सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश को सम्बोधित करेंगे। जिसे भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनपद के सभी बूथों पर प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक देश एक

चुनाव अभियान के अन्तर्गत होटल शिवराम पैलेस पडरौना में सुबह 11 बजे प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसे भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व सदस्य विधान परिषद डॉ धर्मेंद्र सिंह बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित करेंगे। इसी तरह अपराह्न 2 बजे बजे रविन्द्र नगर पार्टी कार्यालय में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान जिला कार्यशाला आयोजित किया गया है। जिसमें पार्टी की प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी शकुंतला चौहान का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। मीडिया प्रभारी ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम पार्टी के सभी वर्तमान व पूर्व जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ नेता अपने आवंटित बूथों पर और जिला, मोर्चा, विभाग, प्रकोष्ठ, मण्डल, शक्ति केंद्र व बूथ के पदाधिकारी अपने अपने बूथ पर सुनेंगे।एक देश एक चुनाव सम्मेलन में जनपद के प्रबुद्ध जन भाग लेंगे तथा वक्फ सुधार जनजागरण अभियान जिला कार्यशाला में जिला पदाधिकारी, अभियान के जिला संयोजक व सह संयोजक, सभी मोर्चों के जिला अध्यक्ष, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला पदाधिकारी व मण्डल अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख,मण्डल अध्यक्ष, अभियान के मण्डल संयोजक/सह संयोजक, आई टी तथा सोशल मीडिया के जिला संयोजक/सह संयोजक, जिला मीडिया प्रभारी/सह प्रभारी, जिला पंचायत सदस्य की उपस्थिति अपेक्षित है।

## पहलगाम हमलाः कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

**संवाददाता**

**कसया, कुशीनगर।** कांग्रेस जिला अध्यक्ष रविन्द्र विश्वकर्मा राधे के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले विरोध में दीवानी कचहरी के समीप डा. अंबेडकर प्रतिमा के पास से कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च देवरिया मार्ग होते हुए गोलाबाजार स्थित चंद्रशेखर चौक, गांधी चौक, शहीद अमिय चौक होते हुए शहीद पार्क पर पहुंचा। जहां आयोजित सभा में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के लिए शोक संवेदना व्यक्त किया

गया और घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। इस दौरान पंचानंद मिश्रा, गुड्डू अंसारी, स्वामी नाथ यादव, वृंदा प्रजापति, राधा कृष्ण शर्मा, अशोक सिंह, ओमप्रकाश तिवारी, जीतेंद्र पटेल, वारिश अली, अविनाश गोंड, मनीष सिंह, अमित मिश्रा, लालचंद प्रसाद, जाकिर हुसैन, राजकुमार अग्रहरि, सीमा भारती, सीमा गुप्ता, रौनक सिंह, भानु प्रताप सिंह, छोटेलाल यादव, नदीम सरवर, अरुण चौबे, अनुज मिश्रा, सुग्रीव गोंड, संतोष शर्मा,,, सैफ पठान, अभिषेक ठाकुर, अफताब आलम, यशवंत भारती, सरवर अंसारी, नंदलाल गुप्ता, आलोक सिंह, रोहित गौंड, अवनीश पटेल, धनंजय यादव,, अमरेंद्र यादव, बृजेश जायसवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## पत्नी-सास के तानों से तंग आ गया हूं...मां माफ करना

**गोरखपुर।** सास और पत्नी की रोज-रोज की प्रताड़ना से तंग आ चुका हूं। मेरी मौत की जिम्मेदार यही दोनों हैं। जीवन साथी के रूप में मैंने गलत इंसान को चुन लिया, जिसका अंत ऐसे ही होना था। मेरा चरित्र हनन किया गया, लेकिन हर प्रताड़ना की एक सीमा होती है, आज उसका अंत हो चुका है। पूरी कोशिश रही कि सबका जीवन स्तर सुधार सकूं, लेकिन मैं अपनी पत्नी का सुरसा रूपी मुंह भर नहीं पाया। ये बातें गोरखपुर में मालती लॉन के मालिक ने आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट में लिखी। 40 साल के कारोबारी ने गुरुवार शाम पत्नी से विवाद के बाद छत पर बने कमरे पर जाकर फंदा लगा लिया। परिवार के लोग जब छत पर पहुंचे। देखा तो शव फंदे से लटक रहा था। कमरे से सुसाइड नोट मिला। मामला गोरखनाथ थाना क्षेत्र के सुभाष नगर कॉलोनी का है। सुभाष नगर कॉलोनी में रहने वाले कारोबारी सुमित चौरसिया (40) का मालती लॉन के नाम से मैरिज हॉल है। सुमित की शादी 4 साल पहले यानी 2021 में राप्तीनगर शाहपुर निवासी राखी के साथ हुई। दोनों से दो बच्चियां हैं। बड़ी बेटी ढाई साल की तो छोटी छह महीने की है। सुमित की 6 बहनें हैं। सभी की शादी हो चुकी है। 4 भाइयों में वह तीसरे नंबर के थे। सबसे छोटे

भाई की शादी नहीं हुई है। सुमित के पिता ईश्वरचंद का निधन हो चुका है। सुमित ने गोदाम और मकान किराए पर दिया था। वह मां, छोटे भाई, उसकी पत्नी, बच्चों के साथ दूसरी मंजिल पर रहते थे। सुमित की पत्नी 4 दिन पहले मायके से दोनों बच्चियों के साथ घर आई। गुरुवार शाम दोनों में किसी बात पर बहस हुई। इसके बाद सुमित छत

पर टीनशेड से बने कमरे में में चले गए। थोड़ी देर बाद मां और भाई छत पर गए तो कमरे में सुमित फंदे से लटके हुए थे। घटना के वक्त पत्नी और बच्चे भी घर पर ही थे। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया। फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच कराई। सुमित के कमरे से सुसाइड नोट मिला। जिस पर पत्नी और सास के तानों से तंग आकर जान देने की बात लिखी हुई थी। पुलिस ने पत्नी से पूछताछ की। मैंने बहुत कोशिश की, लेकिन अब हार मान रहा हूं, जीवन साथी के रूप में मैंने गलत इंसान को चुन लिया, जिसका अंत ऐसे ही होना था। मेरा चरित्र हनन किया गया, लेकिन हर प्रताड़ना की एक सीमा होती है, आज उसका अंत हो चुका है। मैंने अपने जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास किया। बहुत हद तक सफल रहा। पूरी कोशिश रही कि सबका जीवन स्तर सुधार सकूं, लेकिन मैं अपनी पत्नी का सुरसा रूपी मुंह भर नहीं पाया। इसलिए मेरा जीवन व्यर्थ है। अपनी सास और पत्नी की रोज-रोज की प्रताड़ना से तंग आ चुका हूं। मेरी मौत की जिम्मेदार यही दोनों हैं। मेरी प्यारी छह बहनों से जीवनभर प्रेम मिलता रहा। मेरी मां समान बहनों से मेरी एक अंतिम आशा है कि मेरी दोनों बेटियों की शादी अच्छे घर में कराना। आप लोगों और मां से कहना चाहता हूं- मुझे माफ कर देना। मैं जा रहा हूं..अगली बार फिर इसी परिवार में जन्म लूंगा। मेरे ससुराल पक्ष को मेरी लाश छूने या देखने का अवसर नहीं मिलना चाहिए। हिमांशु घर परिवार की जिम्मेदारी अब तुम्हारी है। मैंने अपने फोन के एक्सल सीट में सारा हिसाब लिख रखा है, देख लेना और संभाल लेना। अब पूर्ण विराम लग रहा है।

# आतंकियों की तलाश में पटना में छापेमारी

## आतंकियों के स्केच से मिला 2 युवकों का हुलिया, 5 घंटे पुलिस ने की पूछताछ

पटना। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में तीन आतंकवादियों का स्केच जारी किया गया है। तीन स्केच में से दो का हुलिया पटना में घूम रहे दो युवकों से मिला। देर रात इंटेलिजेंस से यह इनपुट कोतवाली थाने को मिली। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई। तीन टीमें युवकों को तलाशने लगी। पटना जंक्शन, डाकबंगला चौराहा, होटल गली, फ्रेजर रोड में छापेमारी करती रही। पांच घंटे तक छापेमारी और छानबीन के बाद पुलिस ने तीन युवकों को फ्रेजर रोड स्थित अपार्टमेंट के फ्लैट से पकड़ा। तीनों की पड़ताल की गई। दो युवकों का हुलिया जारी हुए स्केच से मिल रहा था। जांच में पता चला कि तीनों दरभंगा के हैं और कपड़े का



व्यवसाय करते हैं। कोतवाली पुलिस ने दरभंगा और तीनों के स्थानीय थाने की पुलिस से संपर्क किया।

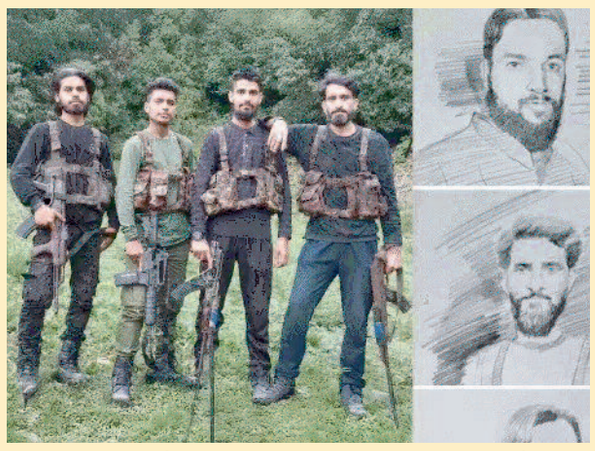

कई घंटों की पूछताछ के बाद तीनों को बॉन्ड भरवाकर छोड़ दिया। दरअसल इनपुट मिला कि दो युवक डाकबंगला चौराहे के पास फोटो खींच रहे हैं। इसके बाद पुलिस डाकबंगला चौराहा गई। वहां से दोनों युवक निकल चुके थे। पुलिस ने वहां लगे सीसीटीवी के फुटेज चेक किए। फुटेज में दोनों युवक एक बाइक के साथ दिखे। एक युवक फोटो खींच रहा था। पुलिस दोनों का रूट ट्रैक करते हुए फ्रेजर रोड स्थित अपार्टमेंट पहुंची। वहां से तीनों युवकों को थाने लाया गया। फोटो खींचने के बारे में युवक ने कहा कि वह पहली बार पटना आया है और उसे पता नहीं था कि वह कहां है। इस कारण अपने साथी को फोटो खींचकर भेज रहा था। सुरक्षा एजेंसियों ने पहलगाम हमले के संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। एजेंसियों ने हमले के चश्मदीदों की मदद से ये स्केच बनाए हैं। एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि इस हमले में आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा शामिल थे। हालांकि, कौन सी तस्वीर किसकी है, यह साफ नहीं हो पाया है।

## आतंकी हमले की मुस्लिम समाज ने की निंदा, काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

पटना। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में मुस्लिम समाज ने शनिवार को शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। पिपराही थाना क्षेत्र के बसहिया शैख गोट रैन के पास मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकजुट होकर आतंकवाद की निंदा की। इस दौरान लोगों ने अपनी बाहों पर काली पट्टी बांधी। एक मिनट का मौन रखकर पहलगाम हमले में मारे गए 26 लोगों को श्रद्धांजलि दी। इमाम शरफ आलम ने बताया कि इस हमले में आतंकियों ने निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाया था। मारे गए लोगों में कई राज्यों के पर्यटक और दो विदेशी नागरिक शामिल थे। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। वहीं, प्रधानमंत्री से इसका मुंहतोड़ जवाब देने की मांग की। उलेमा हाफिज अब्दुल सलाम ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। यह हमला मानवता और शांति पर हमला है।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज आतंकवाद को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगा। उलेमा नजबुल हसन ने देशवासियों से अपील की कि इस दुख की घड़ी में सभी धर्मों के लोग एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ें। देश में शांति और भाईचारा बनाए रखें। नेयाज अहमद ने जिले की सभी मस्जिदों से इसी तरह विरोध दर्ज करने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने हिंदुस्तान जिंदाबाद और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। मौके पर मोहम्मद नेयाज अहमद उर्फ मोती, मोहम्मद गुलाब, मोहम्मद जिलानी, मोहम्मद मंजूर सहित मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल रहे।

## पटना में नहाने के दौरान तीन दोस्त की मौत

**पटना** । गांधी मैदान थाना इलाके के कलेक्ट्रेट घाट पर नहाने के दौरान तीन दोस्त डूब गए। तीनों की मौत हो गई। घटना शुक्रवार देर शाम की है। मृतकों की पहचान मंदिरी के विनीत कुमार (20), दीघा घाट के गंगा कॉलोनी बिहार के सोनू राज (19) और दुजरा बुद्धा कॉलोनी के आदित्य कुमार (19) के रूप में हुई है।



घटना की सूचना मिलते ही गांधी मैदान थाने की पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। कई घंटे के ऑपरेशन के बाद तीनों को गंगा से निकाला गया और ढटउऌ ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। तीनों दोस्त एक साथ ही कलेक्ट्रिएट घाट पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तीनों कुछ देर तक घाट पर ही बातें करते रहे। फिर गंगा में नहाने उतर गए। विनीत गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के चक्कर में सोनू और आदित्य भी डूबने लगे और देखते ही देखते तीनों डूब गए। मौजूद लोगों ने देखा तो कुछ लोग गंगा में उतरे भी लेकिन तीनों को बचाया नहीं जा सका।

## शादी समारोह में नृत्य-संगीत के दौरान चली गोली ने ली युवती की जान

**सुपौल**। जिले के प्रतापगंज थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान हुई हॉर्ष फायरिंग में एक युवती की मौत हो गई। घटना शुक्रवार देर रात की है। बताया जा रहा है कि चिलौनी उत्तर पंचायत के वार्ड-13 तीनटोलिया में शुक्रवार रात स्थानीय अरुण कारक की दूसरी पुत्री शिक्षा कुमारी का शादी समारोह था। इसी समारोह में शिक्षा के बड़े भाई राजेश कारक की भी रिसेप्शन पार्टी चल रही थी। राजेश की शादी 23 अप्रैल को हुई थी। बता दें कि समारोह को खास बनाने के लिए स्टेज प्रोग्राम का भी आयोजन किया गया था, जहां नृत्य-संगीत का दौर चल रहा था। कार्यक्रम को देखने रिश्तेदार सहित आसपास के ग्रामीण



जुटे थे। इसी बीच रात करीब 11 बजे हुई हॉर्ष फायरिंग में एक गोली स्थानीय अर्जुन कारक की 19 वर्षीय पुत्री बबीता को जा लगी। घटना में गंभीर रूप से घायल बबीता बेहोश होकर गिर गई। वहीं, गोली की आवाज सुनकर कार्यक्रम में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इधर, घटना के बाद परिजनों सहित स्थानीय लोगों द्वारा बबीता को सिमराही रेफरल अस्पताल ले जाया गया। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मृतका के परिजनों में कोहराम मच गया। खास बात यह है कि गोलीकांड के समय बारात भी नहीं पहुंची थी, जिसे मधुबनी जिले के लक्ष्मीपुर से आना था। घटना के बाद गांव में गमगीन माहौल हो गया, जिसकी वजह से बाद में सादगीपूर्वक शादी की रश्म पूरी की गई और नवविवाहित जोड़े को विदा कर दिया गया। बबीता की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। वह दो बहन और एक भाई हैं। भाई दिव्यांग है। जबकि पिता अर्जुन कारक रोजी-रोटी के लिए दिल्ली में हैं। बेटी की मौत की खबर पाकर अर्जुन दिल्ली से रवाना हो चुके हैं। वहीं, गांव में मौजूद परिजनों ने बताया कि घटना के वक्त सभी शादी समारोह की तैयारी में व्यस्त थे, जिसकी वजह से गोली किसने चलाई, इसका पता नहीं चल सका है। इधर, घटना की सूचना पर प्रतापगंज थानाध्यक्ष प्रमोद झा दलबल के साथ जांच के लिए घटना स्थल पहुंचे। जहां जरूरी पूछताछ के बाद उन्होंने वरीय अधिकारियों को भी घटना की जानकारी दी। उसके बाद शनिवार को वीरपुर एसडीपीओ सुरेंद्र कुमार भी मौके पर पहुंचे। हालांकि, पुलिस पूछताछ में अब तक गोली चलाने वाले की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस घटना से जुड़े सभी साक्ष्य जुटाने के प्रयास में है।

### संक्षिप्त डायरी

## नवादा में बीजेपी नगर अध्यक्ष के घर चोरी

**नवादा/भव्य खबर।** चोरों ने भाजपा नगर अध्यक्ष और बीस सूत्री समिति के सदस्य राहुल कुमार के घर को निशाना बनाया है।

अकबरपुर प्रखंड के बरेल गांव स्थित उनके नवनिर्मित घर से चोर फोटोकॉपी मशीन और कुछ नकदी ले गए। चोरों ने घर में ज्यादा कीमती सामान नहीं मिलने पर तोड़फोड़ की। उन्होंने बिजली के तारों को काट दिया और घर में रखे अन्य सामान को भी नुकसान पहुंचाया। पीड़ित का कहना है कि उनके घर से 4500 रूपए की चोरी हुई है। नेमदारगंज थाना प्रभारी विनय कुमार मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन मिला है। पुलिस ने घटनास्थल से एक गमछा बरामद किया है। इसकी मदद से खोजी कुत्ते के जरिए चोरों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। भाजपा नगर अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि उन्हें पुलिस पर पूरा भरोसा है। वे मानते हैं कि पुलिस जल्द ही पराधियों को पकड़ लेगी। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

## झाड़-फूंक से बिगड़ी थी 100 बच्चों की तबीयत

**पटना।** मोकामा के मध्य विद्यालय मेकरा में मिड-डे मील खाने से 100 बच्चे बीमार हो गए थे। वहीं इस घटना के बाद से स्कूल में स्टूडेंट्स नहीं पहुंच रहे हैं। अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से डर रहे हैं। घटना के बाद भोजन के सैंपल कसे जांच के लिए भेजा गया है। वहीं अब यह जानकारी सामने आई है कि स्कूल में पहले एक बच्चे की तबीयत बिगड़ी। आसपास के लोगों ने अफवाह फैला दी कि





में सांप मिला है। इस ... बच्चे और उनके प... गए। आनन-फानन ... बच्चों को मोकामा ... स्थान ले जाया गया। वहां बच्चों को स्नान कराया गया और मंदिर की परिक्रमा कराई गई। तीन पुजारियों ने झाड़-फूंक की। वहीं पुजारी का दावा है कि अगर किसी व्यक्ति को सांप या बिच्छू ने काट लिया है, तो यहां झाड़-फूंक कर नीर पिलाने से विष खत्म हो जाता है। गुरुवार को 300 से ज्यादा बच्चों को झाड़-फूंक कर नीर पिलाया गया था। ...ों की संख्या लगभग ...द बढ़ने लगी। बच्चों ...तक खाना खाने और ... नहीं कहा गया था, ... घर जाकर पानी पी लिए। इसके कारण ही तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद जिला परिषद सदस्य नवनीत हिमांशु ने दोषी रसोइया को हटाने और पंचायत के शिक्षक की ट्रांसफर की मांग की है। वहीं इस मामले को लेकर स्कूल प्रबंधन, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। ग्रामीणों की मांग है कि रसोइया की दैनिक उपस्थिति और बच्चों को खिलाने से पहले खुद भोजन कर फोटो खिंचवाए। मध्य विद्यालय में नई कमिटी का गठन किया जाए। पंचायत के शिक्षकों का स्थानांतरण किया जाए। मामले की उच्चस्तरीय जांच हो। अभिभावक सुनीता देवी ने बताया कि उनका बेटा स्कूल से लौटने के बाद सिरदर्द और उल्टी की शिकायत कर रहा था। कई बच्चों को बिषहरी स्थान ले जाया गया। वहां बच्चों को स्नान कराया गया और मंदिर की परिक्रमा कराई गई। तीन पुजारियों ने झाड़-फूंक की। कुछ बच्चों को अस्पताल भी ले जाया गया। कुछ महिलाओं का कहना है कि नीर पीने के बाद बच्चे स्वस्थ हो गए। पुष्पा देवी ने बताया कि मोकामा ट्रामा सेंटर में गुरुवार रात इलाज के बाद बच्चों को एक-दो दिनों तक नियमित जांच के लिए बुलाया गया है। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम घर-घर जाकर बच्चों की जांच कर रही है। प्रभारी प्रधानाध्यापक संतोष कुमार ने कहा कि वह तीन दिनों से छुट्टी पर हैं। स्कूली छात्र छात्राओं के बेहोश होने की सूचना मिली, जिसका कारण खाने में सांप का होना बताया गया। दरअसल एक बच्चे का आंख लाल हो गया था, जिसे बिषहरी स्थान में नीम का नीर पिलाया गया। तब तक खाने में सांप होने की अफवाह सभी बच्चों और गार्जियन के बीच फैल चुकी थी, तो सभी बच्चे वहां झाड़ फूंक करवाने पहुंचने लगे। इस दौरान ग्रामीण स्कूल के पास आकर हंगामा करने लगे और सड़क जाम कर दिया।

## पहलगाम में हुए हत्या के विरोध में बाजार बंद

मुंगेर में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की मांग, सचिव बोले- घर में घुसकर आतंकवादियों को मारेंगे

मुंगेर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की हत्या के विरोध में मुंगेर में आज पूरा बाजार बंद है। मुंगेर चैंबर ऑफ कॉमर्स के आह्वान पर यह बंद किया गया। चैंबर के सदस्यों और व्यवसायियों ने शहर में घूम-घूम कर दुकानें बंद करवाई। सदस्यों ने पाकिस्तान मुदार्बाद,आतंकियों पर बड़ी कार्रवाई हो इसको लेकर जमकर नारेबाजी की। सिर्फ आवश्यक सेवाओं जैसे मेडिकल स्टोर, दूध की दुकानें और डॉक्टर के क्लिनिक खुले रहे। चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव संतोष अग्रवाल और मनोज जैन ने केंद्र सरकार से पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकियों की कि गई पर्यटकों की हत्या कायरतापूर्ण है। इसे देश के हिन्दुस्तानी बर्दाश्त नहीं करेंगे। मनोज जैन ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा




भरोसा है, वे इसका जवाब पाकिस्तानियों को जरूर देंगे। सचिव संतोष अग्रवाल ने कहा कि अगर सरकार हमलोगों को छूट दे, तो पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को मारेंगे। इस दौरान सदस्यों ने पाकिस्तान का विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी की। सभी विपक्षी दलों और दुकानदारों ने इस बंद का समर्थन किया। चैंबर के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास जताते हुए कहा कि वे इस हमले का उचित जवाब देंगे।

## पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर पति ने की आत्महत्या, परिजन बोले- उसके व्यवहार से बहुत दुखी था

**सीवान/भव्य खबर।** जिले में रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के पिपरा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान पिपरा गांव निवासी रामजी गोड़ के पुत्र रंजीत गोड़ के रूप में हुई है। रंजीत का शव गांव के बगीचे में एक पेड़ से फंदे पर लटका हुआ बरामद किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि रंजीत गोड़ का अपनी पत्नी के साथ आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता था। स्थानीय लोगों के अनुसार, रंजीत अपनी पत्नी के व्यवहार से काफी परेशान था। घटना से एक दिन पहले, यानी शुक्रवार की देर शाम, गाय को चारा खिलाने को लेकर दंपती के बीच फिर से तीखी नोकझोक हुई। इस विवाद के बाद रंजीत नाराज होकर घर से बाहर निकल गया। शनिवार की सुबह जब ग्रामीणों ने बगीचे में उसका शव पेड़ से लटकता देखा, तो उन्होंने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची रघुनाथपुर थाना पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाया और घटना स्थल का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस हत्या के एंगल से भी जांच कर रही है। मृतक के परिजनों ने बताया कि रंजीत अपनी पत्नी के व्यवहार से मानसिक रूप से काफी तनाव में था। पुलिस ने परिजनों और आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए हैं और मामले की गहन छानबीन में जुट गई है। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि पारिवारिक विवादों को समय रहते सुलझाना जरूरी है, वरना ऐसी दुखद घटनाएं सामने आती रहेंगी।

## सीएम नीतीश कुमार ने अधिवक्ता समागम का किया उद्घाटन

**पटना।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को जदयू पार्टी कार्यालय स्थित कपूर्री सभागार में बिहार जदयू विधि प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित अधिवक्ता समागम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी लोगों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूं। बहुत खुशी की बात है कि हाल ही में जदयू विधि प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि विधि प्रकोष्ठ के अधिवक्ता साथी पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे। आप सब न्याय के साथ विकास के सरकार के संकल्प को जमीन पर क्रियान्वित करने में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में पूरी मजबूती के साथ पार्टी को जीत दिलाने में आप लोग अपना



पूरा योगदान देंगे। आप सबसे आग्रह है कि पूरी ताकत से एकजुट होकर काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोगों ने समाज के सभी वर्गों एवं राज्य के सभी क्षेत्रों के विकास के लिये काम किया है। महिलाओं के उत्थान के लिये काफी कार्य किया गया है। हम शुरू से एनडीए के साथ रहे हैं, बीच में हम उधर चले गये थे। लेकिन अब कहीं नहीं जायेंगे, एनडीए के साथ ही रहेंगे। हम लोग एनडीए के सभी साथी एकजुट होकर बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिये आप सभी को धन्यवाद देता हूं। इस अवसर पर जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधान पार्षद ललन सर्राफ, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, पूर्व मंत्री श्याम रजक, जदयू विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आनंद कुमार सहित सभी जिलों से आये हुये बड़ी संख्या में अधिवक्तागण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन

## केंद्र सरकार से किया वापस लेने की मांग, उ्र को ज्ञापन सौंपकर दी चेतावनी

मुजफ्फरपुर। जिले में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर शनिवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन मार्च निकाला और सरकार के खिलाफ जमकर विरोध किया। पूरे शहर के अलग-अलग जगहों से निकली मुस्लिम समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। वहीं, इस प्रदर्शन मार्च को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर रही। सभी ने वक्फ बचाओ-संविधान बचाओ रैली निकाली। यह रैली केंद्र सरकार के खिलाफ में निकाली गई। इस जुलूस के माध्यम से वक्फ संशोधन कानून का विरोध किया गया और डीएम के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रपति से कानून वापस लेने की मांग की गई है। साथ ही कहा कि यह संविधान और हमारे शरिया




कानून के खिलाफ में है। आपको बता दें कि यह रैली शहर के अलग-अलग जगहों जिले चंदवारा स्थित जेल चौक ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र कांटी थाना क्षेत्र काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र और नगर थाना क्षेत्र से निकली और सभी शहर के क्लब मैदान में पहुंचे। जहां जुलूस को सभा में तब्दील कर वक्फ संशोधन कानून के नुकसान को बताया गया है। सभी लोगों ने सरकार से इस कानून को वापस लेने की मांग की है। इस दौरान कई लोग सड़क पर बैठ गए तो कई ने सड़क को जाम कर वक्फ कानून वापसी की मांग की है। वक्फ कानून के विरोध में जहां पर आज शिया समुदाय के धर्मगुरु सैय्यद बुखार अहमद रिजवी ने बताया है कि वक्फ में अगर कोई खराबी है तो उसे ठीक किया जाए। सरकार ने जो वक्फ कानून बनाया है, वह मुसलमान के साथ में नाइंसाफी है। केंद्र को




सरकार सिस्टम को ठीक करे, वक्फ की सूरत नहीं बदले। इस नाइंसाफी को सुप्रीम कोर्ट ने पकड़ लिया है। इसलिए उस पर भी दबाव बनाया जा रहा है। अब यह सरकार कह रही है कि जिस संपत्ति की अब तक कोई भी दस्तावेज नहीं है, वक्फ नहीं माना जाएगा तो सरकार इसकी जांच करे। लेकिन कानून न बदले। हम लोगों को सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है और अगर सरकार नहीं मानी तो आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, डॉ महमूदुल हसन ने बताया कि हम लोग नए वक्फ कानून को वापस करने की मांग करते हैं और भी यह कानून संविधान और मुसलमानों के खिलाफ है। सरकार की नियत ठीक नहीं है, वह वक्फ की जमीन अपने दोस्तों को देना चाहती है।सरकार मुसलमानों को तोड़ने के लिए भ्रम पैदा कर रही है हम सरकार को चुनौती देते हैं कि अगर यह कानून वापस नहीं किया तो हम चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेंगे।

## संक्षिप्त डायरी

### अंबाला में पारा पहुंचा 40 डिग्री के पार, लू से बचने के लिए डॉक्टर ने दी सलाह

**अंबाला/ भव्य खबर ।** जैसे-जैसे गर्मी बढ़ने लगी है। वैसे-वैसे स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट नजर आ रहा है। अंबाला का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है जिसके चलते हीट वेव भी चलने लगी है। गर्मी का मौसम आते ही बीमारियां भी पैर पसारने लगती है। बढ़ती गर्मी के साथ अस्पताओं में मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। डॉक्टर ने दी ये सलाह :अंबाला कैंट नागरिक अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ शील कांत पंजली ने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो गया है और लू चलने लगी है। ऐसे में सबसे पहले घर से निकलने से पहले हमें अपने सिर को ढक कर बाहर निकलना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि पानी हमेशा साथ लेकर चलना चाहिए। क्योंकि अगर हम बाहर से इधरउधर से पानी पीएंगे। उन्होंने कहा कि बाहर के खाने से परहेज करना चाहिए, बाहर से कोई भी खाने की वस्तु खरीदते है तो वो ढकी होनी चाहिए, खुली वस्तु को न खरीदें। खुली वस्तु पर माखियां बैठती है जिससे बीमारी पनपने का डर बना रहता है। उन्होंने बताया कि आम अंगूर जैसे फलों को मसाले से पकाया जाता है ऐसे फलों को पहले पानी में भिगोकर रखना चाहिए ताकि उसके ऊपर से मसालों का असर कम हो जाए। उन्होंने कहा कि लू लगने से लोगों का बल्ड प्रेशर कम हो सकता है और लूज मोशन लग सकते है, उल्टी लग सकती है। ऐसे में डफर का इस्तेमाल करना चाहिए और नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वहीं जब अस्पताल में आए मरीजों से बात की तो उनका कहना था कि गर्मी के कारण बीमारियां बढ़ने लगी है। ऐसे में नागरिक अस्पताल के डॉक्टर अच्छे से समझा रहे है कि गर्मी से बचने के लिए क्याक्या सावधानियां बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अच्छे से बताया कि ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय अपने आप को पूरी तरह से ढक कर निकलना चाहिए। उन्होंने कहा गर्मी लगने से लूज मोशन, उल्टी लगने लगती है। पूंडरी। गांव फरल से कौल तक जाने वाली सड़क को लेकर पीडब्ल्यूडी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि जिस सड़क का निर्माण कार्य अभी अधूरा पड़ा है। उस पर पहले से ही निर्माण कार्य पूर्ण का बोर्ड लगा दिया गया है। बोर्ड पर साफ लिखा है कि इस सड़क को काम 23 जुलाई 2024 को शुरू किया गया। 22 जनवरी 2025 को इसका कार्य पूरा कर लिया गया लिखा है। विभाग के कार्यकारी अभियंता वरुण कंसल ने इसे पेंटर की गलती बताया है और इस डेट को ठीक करवाने की बात कही है। स्थानीय लोगों में इसको लेकर नाराजगी है। सड़क पर पड़ी बजरी और पत्थरों से वाहन चालक हो रहे चोटिल ग्रामीणों मेहर सिंह, गुरनाम सिंह, सुरेंद्र सिंह, कालू सिंह, गुरविंद्र सिंह, तरसेम, सुरेंद्र राणा, पिंटू राणा व नरेंद्र सिंह का कहना है कि सड़क वर्षों से खस्ताहाल है। कई बार शिकायत करने के बावजूद सड़क को उखाड़ कर आधा-अधूरा छोड़ दिया गया। इससे सड़क पर बिखरी बजरी व पत्थरों के कारण हर रोज वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। विभाग ने जिम्मेदारी से झाड़ा पल्ला ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क को पिछले कई महीनों से विभाग ने लावारिस की तरह छोड़ दिया। इस सड़क पर सैकड़ों डेरे व ढाणी हैं। सड़क पर उड़ रही धूल से उन्हें भारी परेशानी हो रही है। सड़क पर बिखरे पत्थर वाहनों के टायरों से छिटककर लोगों को घायल कर रहे हैं। विभाग ने इस सड़क को पूर्ण करने से पहले ही कंपलीशन का बोर्ड लगाकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। ग्रामीणों ने बताया कि यह सरासर लापरवाही का मामला है। उन्होंने मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच हो और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है।

### हिसार मे दिनदहाड़े पेट्रोल पम्प पर लूट, स्कूटी पर सवार होकर आए बदमाशों ने लूटे 40 हजार रुपए

**हिसार/ भव्य खबर ।** हिसार के बालसमंद रोड पर चंदन नगर रोड स्थित खुशी केएसके पेट्रोल पंप पर करीब शाम 5 बजे के आस-पास लूट की वारदात हुई। हथियारबंद 6 बदमाशों ने पंप कर्मचारियों से 40 हजार रुपए लूट लिए। पूरी घटना पंप पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।आजाद नगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पंप मालिक तुषार के अनुसार घटना के समय पंप पर चार कर्मचारी सुमित, कुलदीप, जसपाल और बहादुर मौजूद थे। पहले स्कूटी पर 3 युवक आए। उनके चेहरे कपड़े से ढके हुए थे। इसके बाद एक बाइक पर 3 और युवक पहुंचे। सभी के पास लाठी, चाकू और बंदूक थी। बदमाश एक कर्मचारी को पक-ड़कर अंदर ले गए। बंदूक की नोंक पर उससे रुपए मांगे। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश हिसार की तरफ फरार हो गए। वहीं ऑल हरियाणा पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन हिसार के प्रधान राजकुमार सलेमगढ़ ने घटना की निंदा की है।

### अगर पीने का पानी किया बर्बाद तो भुगतना होगा अंजाम

**गुरूग्राम/ भव्य खबर ।** गर्मियों के मौसम में पानी की कितनी आवश्यकता होती है। यह तो सभी जानते हैं। शहरों में पानी की मांग बढ़ जाती है। वहीं कई जगह कुछ लोग पानी बर्बाद करते हैं। अब गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण लोगों को कड़ी चेतावनी दी है। बता दें कि पीने के पानी को बर्बाद करने पर जीएमडीए ने मेफील्ड गार्डन और वाटिका बिजनेस पार्क को नोटिस भेजा है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण ने सूचना जारी कर कहा कि बीते बुधवार को प्राधिकरण की ओर से गार्डन और वाटिका बिजनेस पार्क के परिसरों का निरीक्षण किया गया था। तब पता चला कि पीने के पानी से बागवानी और लॉन में सिंचाई की जा रही है। इन कार्यों के लिए सीवर के शोधित पानी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। अगर पीने के पानी का इस तरह से इस्तेमाल किया गया, तो बिना बताए पानी का कनेक्शन काट दिया जाएगा। वहीं सरकारी जल आपूर्ति कनेक्शन के पानी का उपयोग सिर्फ पीने और घर के कामों के लिए किया जाना चाहिए नहीं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# हरियाणा में 450 पाकिस्तानी, अलर्ट मोड़ में सरकार सीएम सैनी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

**चंडीगढ़ :** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पाकिस्तानियों को हरियाणा से निकालने के आदेश के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शुक्रवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में अधिकारियों की हाईलैवल मीटिंग बुलाकर प्लानिंग बनाने के निर्देश दिए हैं। इसकी प्लानिंग की जिम्मेदारी हरियाणा सी. आई.टी. चीफ को दी गई है। इस वक्त हरियाणा में करीब 600 विदेशी नागरिक रह रहे हैं जिसमें से 459 पाकिस्तानी हैं जो सभी हिंदू हैं। 375 विदेशी नागरिक वर्षों पहले भारत की नागरिकता के लिए आवेदन कर चुके हैं जबकि अन्य वीजा के जरिए यहां रह रहे हैं।

सबसे ज्यादा विदेशी नागरिक फरीदाबाद में रह रहे हैं जिनमें से 214 पाकिस्तान जबकि 40 से ज्यादा अफगान, बंगलादेश व अन्य देशों के हैं। गत वर्ष नागरिकता संशोधन विधेयक आने के बाद से हरियाणा में रहने वाले करीब डेढ़ दर्जन पाकिस्तानी नागरिकों को भारत की नागरिकता मिल चुकी है। हरियाणा गृह विभाग के पास मौजूद आंकड़ों मुताबिक पाकिस्तानी नागरिकों की संख्या सबसे ज्यादा है। सभी विदेशी नागरिक वीजा के जरिए प्रवास कर रहे हैं और हर वर्ष वीजा बढ़ाया जा रहा है। सभी परिवार भारत-पाक विभाजन के कुछ समय बाद ही हरियाणा आ गए थे जो शरणार्थी के तौर पर वीजा के जरिए रह रहे हैं। कुछ नागरिक अफगान और बंगलादेश के भी है। नूंह समेत 6 जिले बेहद संवेदनशील पहलगाम में हुई आतंकी वारदात के बाद लोगों में गुरसा भी है। वर असल यहां के 6 जिले ऐसे है जहा वगे भड़कने की संभावना हमेशा बनी रहती है। इनमें गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, द्वाज्जर, यमुनानगर और जीद है। इन जिलों में 2023 में भी जूड में बृजमंडल यात्रा दौरान हुए उपद्रव के बाद हिंसक घटनाएं हो चुकी है। यहा 2 पुलिसकर्मियों सहित 5 लोगों की मौत हो गई थी। नूंह को अति-संवेदनशील एरिया घोषित किया गया है। कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाने के दिए निर्देश भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी निदेशों अनुसार पाकिस्तानी नागरिकों के लिए हरियाणा छोड़ने की अंतिम तिथि 27 अप्रैल, 2025 है। हालांकि चिकित्सा वीजा धारकों के लिए यह सीमा 29 अप्रैल, 2025 तक है। यह समय सीमा लंबी अवधि के वीजा, राजनयिक वीजा अथवा आधिकारिक वीजा रखने वाले पाकिस्तानी नागरिकों पर लागू नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को इन निदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य में कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए यह स्पष्ट किया कि राज्य की शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा जिला स्तर पर गश्त बढ़ाने, सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने वालों पर नजर और संवेदनशील क्षेत्रों पर निगरानी बनाए रखने को कहा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि राज्य भर के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। वर्तमान में हरियाणा के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में 1,157 कश्मीरी विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक हरियाणा के पानीपत में 5, अम्बाला में 42, करनाल में 1, कुरुक्षेत्र में 3, पलवल में 3, कैथल में 1, फतेहाबाद में 27, रोहतक में 28, सिरसा में 68, यमुनानगर में 57, झज्जर में 1, पंचकूला में 1, गुरुग्राम में 8 और फरीदाबाद में 214 विदेशी रह रहे हैं। ये सभी पाकिस्तान से आए हैं।

## पहलगाम आतंकी हमले से गुस्से में भारत, अंबाला में गुस्साए लोगों ने तोड़फोड़ कर रेहड़ी को किया आग के हवाले

**अंबाला :** पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में लोगों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। अंबाला जिले में गुस्साए लोगों ने प्रदर्शन के दौरान साहा में नेशनल हाईवे के साथ बनी एक चिकन बिरयानी की दुकान के सामने खड़ी रेहड़ी को आग के हवाले कर दिया। इसके अलावा एक अन्य रेहड़ी को ईंट-पत्थरों से तोड़ दिया। इस दौरान सैकड़ों लोग साहा में मुख्य चौक पर एकजुट हुए और जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए इस आतंकी घटना की निंदा करते हुए पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए। साहा में इस दौरान कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर भी रोष जाहिर किया।बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए भयावह आतंकवादी हमले पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हमले में करीब 26 लोगों की मौत हुई है जबकि हमले में 17 लोग घायल भी हुए हैं। इस हमले के शिकार हुए अधिकतर लोग पर्यटक थे, जो अपने परिवारों के साथ घूमने आए थे। 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद सबसे बड़ा हमला है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में लोगों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। अंबाला जिले में गुस्साए लोगों ने प्रदर्शन के दौरान साहा में नेशनल हाईवे के साथ बनी एक चिकन बिरयानी की दुकान के सामने खड़ी रेहड़ी को आग के हवाले कर दिया।

## यमुनानगर में गेहूं के फाने व गन्ना जलकर राख, शॉर्ट-सर्किट से

यमुनानगर : इन दिनों गेहूं की कटाई के बाद लगातार किसानों के खेत में आग लगने की खबरें सामने आ रही है और इन सब के पीछे मुख्य कारण बिजली की तरह आपस में टकराने से उनसे निकली हुई चिंगारी के बाद खेतों में आग लगने का कारण ही सामने आ रहा है। ताजा मामला यमुनानगर से सामने आया जहां रोडछप्पर व भूत माजरा में गेहूं के फाने व गन्ना जलकर राख हो गया। इस दौरान फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी पहुंची। उन्होंने आग को फैलने से रोका। किसान मनदीप ने बताया कि सुबह 8:30 बजे शॉर्ट-सर्किट से आग लगी। बिजली की तारें बहुत नीचे हैं। बिजली अधिकारियों को बार-बार शिकायत देते रहे कि तारे बहुत नीचे हैं, लेकिन किसी ने कोई सुनवाई नहीं की और आज भारी नुकसान हुआ। उन्होंने इसके लिए मुआवजे की भी मांग की है । बता दें कि यमुनानगर के कई इलाकों में बिजली की तारों से चिंगारी गिरने से आग लग चुकी है। गेहूं के फाने जल चुके हैं, भारी नुकसान हो चुका है। किसान इसके लिए बिजली निगम अधिकारियों को दोषी ठहराते हुए मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

# किसान दंपति ने आतंकियों से लोहा लेने की ठानी, पहलगाम रवाना, बोले- देश के लिए कुबार्नी देने को तैयार

**हांसी :** हांसी उपमंडल के गांव चैनत के किसान दंपती ने देशभक्ति की मिसाल पेश की है। गांव चैनत के 50 वर्षीय किसान बलजीत सिंह अपनी पत्नी नीलम के साथ बीते दिन शुक्रवार रात 9 बजे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के लिए रवाना हो गए। शुक्रवार रात 9 बजे हांसी के हिसार चुंगी पर स्थित शहीद निशांत मलिक की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद दोनों पति-पत्नी अपने निजी वाहन से पहलगाम के लिए निकले। बलजीत सिंह का कहना है कि वह बॉर्डर पर जाकर देश की रक्षा में योगदान देना चाहते हैं और आतंकवादियों से लोहा लेने को पूरी तरह तैयार हैं। रवाना होते वक्त बलजीत सिंह ने कहा कि जब देश को जरूरत है, तो किसान ही क्यों न सही, हर नागरिक को तैयार रहना चाहिए। अब वक्त है कि हम अपने खेतों से निकलकर देश की सीमाओं पर खड़े हों। उनकी पत्नी ने भी हौसले से कदम बढ़ाए और कहा कि जब पति देश सेवा के लिए तैयार हैं, तो वह भी हर कदम पर साथ देने को तैयार हैं। पहलगाम में हुए आतंकवादियों के हमले के बाद चानौत गांव निवासी बलजीत और उनकी पत्नी नीलम को ठेस पहुंची है। बलजीत और नीलम का बेटा भारतीय एयरफोर्स में तैनात है और उनकी बेटी का पति भी भारतीय एयरफोर्स में तैनात है। शुक्रवार रात को दोनों दंपती गांव से पहलगाम के लिए रवाना हुए। उन्होंने हांसी पहुंचकर बलिदानी निशांत मलिक चौक पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बताया कि अब दोनों पति-पत्नी अपने साथ कैंडल लेकर पहलगाम जाएंगे। वहां पर कैंडल मार्च कर इस हमले में प्राण देने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

इसके बाद वे बार्डर पर जाकर इस कायराना हमले के लिए आवाज उठाएंगे। यदि इन सब में दोनों को जान भी देनी पड़ी तो वो देश के लिए सबसे पहले अपने प्राणों की आहुति देने का काम करेंगे।

## करनाल में धार्मिक स्थल की दीवार पर धमकी लिख मांगी फिरौती

**'50 लाख दो, नहीं तो मौत होगी'**

**करनाल :** करनाल जिले में जुंडला गेट क्षेत्र में एक दीवार पर कोयले से जान से मारने की धमकी देकर 50 लाख रुपए की फरौती मांगी है। सुबह जब लोगों ने इसे देखा तो पुलिस को सूचना दी। धार्मिक स्थल की दीवार पर कोयले से लिखा था कि यह प्लाट 1 करोड़ का है। 50 लाख दो। अबकी बार लड़ाई नहीं, मौत होगी। इसके अलावा अन्य धमकी भरे शब्द और जमीन से संबंधित विवादित बातें भी दीवार पर लिखी मिलीं। थाना शहर पुलिस ने बताया कि सम्पत्ति को लेकर धमकी दी गई है जोकि कोर्ट में मामला विचाराधीन है। एक पक्ष ने पुलिस को शिकायत दी कि किसी ने धार्मिक स्थल की दीवार पर धमकी लिखी है जिसमें फिरौती की मांग की गई है।

थाना प्रभारी प्रवीन कुमार अनुसार दीवार पर लिखी आपत्तिजनक व आपराधिक शब्दों को पुतवा दिया गया। आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई जा रही है।

# दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, 6 कर्मचारियों की मौके पर मौत

**नूंह :** हरियाणा के नूंह जिले से गुजरने वाले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आज सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में 6 सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई है जबकि 5 गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र के इब्राहिम बास गांव के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सफाई कार्य में जुटे कर्मचारियों को टक्कर मार दी। घटनास्थल पर मची चीख-पुकार यह हादसा आज सुबह करीब 10 बजे हुआ। सुबह सफाई कर्मचारी एक्सप्रेस वे पर सफाई कार्य कर रहे थे। अचानक आई तेज रफ्तार पिकअप ने इन कर्मचारियों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 6 सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों को मदद से उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती करवाया है। वहीं मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भिजवा दिया है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे हादसे में 6 की मौत के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और पिकअप चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

# सड़क बनी नहीं और लगा दिया निर्माण कार्य पूरा होने का साइन बोर्ड

**पूंडरी।** गांव फरल से कौल तक जाने वाली सड़क को लेकर पीडब्ल्यूडी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि जिस सड़क का निर्माण कार्य अभी अधूरा पड़ा है। उस पर पहले से ही निर्माण कार्य पूर्ण का बोर्ड लगा दिया गया है। बोर्ड पर साफ लिखा है कि इस सड़क को काम 23 जुलाई 2024 को शुरू किया गया। 22 जनवरी 2025 को इसका कार्य पूरा कर लिया गया लिखा है। विभाग के कार्यकारी अभियंता वरुण कंसल ने इसे पेंटर की गलती बताया है और इस डेट को ठीक करवाने की बात कही है। स्थानीय लोगों में इसको लेकर नाराजगी है। सड़क पर पड़ी बजरी और पत्थरों से वाहन चालक हो रहे चोटिल ग्रामीणों मेहर सिंह, गुरनाम सिंह, सुरेंद्र सिंह, कालू सिंह, गुरविंद्र सिंह, तरसेम, सुरेंद्र राणा, पिंटू राणा व नरेंद्र सिंह का कहना है कि सड़क वर्षों से खस्ताहाल है। कई बार शिकायत करने के बावजूद सड़क को उखाड़ कर आधा-अधूरा छोड़ दिया गया। इससे सड़क पर बिखरी बजरी व पत्थरों के कारण हर रोज वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। विभाग ने जिम्मेदारी से झाड़ा पल्ला ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क को पिछले कई महीनों से विभाग ने लावारिस की तरह छोड़ दिया। इस सड़क पर सैकड़ों डेरे व ढाणी हैं। सड़क पर उड़ रही धूल से उन्हें भारी परेशानी हो रही है। सड़क पर बिखरे पत्थर वाहनों के टायरों से छिटककर लोगों को घायल कर रहे हैं। विभाग ने इस सड़क को पूर्ण करने से पहले ही कंपलीशन का बोर्ड लगाकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। ग्रामीणों ने बताया कि यह सरासर लापरवाही का मामला है। उन्होंने मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच हो और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है।

बोर्ड लिखने वाले पेंटर की गलती जब विभाग के कार्यकारी अभियंता वरुण कंसल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सड़क का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। उम्मीद है कि इसे 15 मई तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पेंटर ने इस पर डेट गलत लिख दी है, जिसे ठीक करवाया जा रहा है।

## संक्षिप्त डायरी

### पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से नहीं आ रहा बाज: एलओसी पर भारतीय जवानों ने दिया करारा जवाब

**नई दिल्ली/ एजेंसी/ भव्य खबर ।** कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की ओर से नापाक हरकतें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। 25 और 26 अप्रैल की दर यानी रात एक बार फिर पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए एलओसी पर फायरिंग की। इस पर भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया और पाकिस्तान की पोस्टों पर खामोशी की चादर डाल दी। भारतीय सेना ने 1300 राउंड फायरिंग कर पाकिस्तान की 600 राउंड की गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। बारामूला के टूटमारी गली से टर और पीओके के कई इलाकों में पाकिस्तानी सेना ने छोटे हथियारों से हमला किया, लेकिन भारतीय सैनिकों की जवाबी कार्रवाई ने उन्हें अपने बिलों में छिपने पर मजबूर कर दिया। इस जवाबी कार्रवाई के साथ जवानों ने बतला दिया कि नया भारत, नई नीति के तहत अब हर गोली का जवाब गोली से देना जानता है। पाकिस्तान को अब यह स्पष्ट संदेश मिल चुका है– भारत आतंकवाद या सीमा उल्लंघन के हर प्रयास का जवाब बेहद कठोरता और निर्णायक तरीके से देगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और सेना, दोनों, अब रक्षात्मक नहीं, आक्रामक नीति अपना रही हैं।

### पाकिस्तानी हिरासत में बीएसएफ जवान की रिहाई को लेकर अनिश्चितता, रिहाई के लिए बीएसएफ कर रहा संपर्क

**नई दिल्ली/ एजेंसी/ भव्य खबर ।** सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान, जो अनजाने में भारत-पाकिस्तान सीमा पार कर गया था, पिछले तीन दिनों से पाकिस्तानी रेंजर्स की हिरासत में है। अधिकारियों ने बताया कि जवान पूर्णम साहू, पंजाब के फिरोजपुर सेटर में तैनात था और गलती से सीमा पार कर गया था, जिसके बाद उसे पाकिस्तान रेंजर्स ने पकड़ लिया। सूत्रों के मुताबिक, बीएसएफ ने जवान की रिहाई के लिए कई बार पाकिस्तान रेंजर्स से संपर्क किया और लैग मीटिंग की मांग भी की, लेकिन अब तक पाकिस्तान की ओर से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। हमले में दो दर्जन से ज्यादा लोगों की जान चली गई, जिसके बाद से भारत-पाकिस्तान सीमा पर सुरक्षा और सतर्कता को और अधिक कड़ा कर दिया गया है। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि जवान की जल्द रिहाई के लिए फील्ड कमांडर स्तर पर बातचीत की मांग जारी रखी जाएगी। प्रोटोकॉल के तहत इस तरह के मामलों में दोनों देशों के सुरक्षाबल पेशेवर ढंग से और त्वरित कार्रवाई करते हैं। इधर, पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में जवान के परिवार वाले उसकी सलामती और शीघ्र वापसी के लिए लगातार प्रार्थना कर रहे हैं। जवान के पिता भोलानाथ साहू ने कहा, कि वह देश की सेवा कर रहा था, लेकिन अब हमें यह भी नहीं पता कि वह सुरक्षित है या नहीं। हमें बस उसकी सलामती की खबर चाहिए। बीएसएफ को उमीद है कि पूर्णम साहू जल्द ही सुरक्षित लौट आएंगे।

### पहलगाम आतंकी हमले के बाद श्रीनगर में फंसे 23 पर्यटक वडोदरा लौटे

**वडोदरा / एजेंसी/ भव्य खबर ।** जमू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 जितने पर्यटको की मृत्यु हो गई थी। इस हमले के बाद वडोदरा के 23 पर्यटक श्रीनगर में फंस गए थे। उन्हें वापस लाने के लिए सांसद डॉ. हेमांग जोशी द्वारा लगातार प्रयास किए गए और परिणामस्वरूप सभी आज वडोदरा पहुंच गये हैं। वडोदरा वापसी के बाद पर्यटकों और उनके परिवारों ने राहत की सांस ली है। रेल से वडोदरा पहुंचे पर्यटकों का कहना है कि उन्हें किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। हमें पहलगाम जाना था। लेकिन हम पीछे हट गए थे। आतंकवादियों की नजर केवल पर्यटकों पर है। कश्मीर और सेना अच्छी हैं। हम मांग करते हैं कि सरकार जहां भी पर्यटक हों, वहां सुरक्षा मुहैया कराए। पर्यटकों को ऐसे स्थानों पर नहीं भेजा जाना चाहिए जहां सुरक्षा न हो। हमने श्रीनगर से जमू 1200 रुपये किराया खर्च कर पहुंचे। महिला पर्यटक ने कहा, 'हम सुरक्षित वडोदरा पहुंच गये हैं। वहां के लोगों ने भोजन और परिवहन के मामले में हमारा बहुत सहयोग किया। एक बार हम रात 10 बजे फंस गए तब स्थानीय लोगों ने हमें अपनी कारों में उतार दिया और उन्होंने हमसे कहा कि आप हमारे घर भी आ सकते हैं, हमारे यहां भी माता-पिता, बहनें और परिवार है। वे लोग भी इस घटना से बहुत दुखी थे। उन्होंने कहा कि अब आपके लिए हम पर भरोसा करना मुश्किल होगा। एक अन्य महिला ने कहा कि आतंकवादी हमले के बाद हम डर गये थे। वहां क यू लगा हुआ था। हम अपने होटल में सुरक्षित थे। 25,000 रुपए खर्च जमू आए थे। वहां के लोग बहुत अच्छे हैं, उन्होंने हमारा बहुत साथ दिया।<

### जंगल में चल रही पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 3 मजदूरों की मौत, कई घायल

**सहारनपुर / एजेंसी/ भव्य खबर ।** देवबंद-मुजफरनगर मार्ग पर ग्राम जड़ौदा जट के जंगल में सालों से चल रही एक पटाखा फैक्ट्री में जबरदस्त धमाका हुआ है। एक के बाद एक हुए धमाके में तीन मजदूरों के चीथड़े उड़ गए। जबकि कई घायल हुए हैं। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण एकत्र हो गए और उन्होंने साजिश के तहत धमाके किए जाने का आरोप लगाते हुए मु य राज्यमार्ग जाम कर दिया। सूचना पर डीएम मनीष बंसल और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण पहुंचे, जिनका ग्रामीणों ने घेराव कर दिया। फिलहाल प्रशासन ने तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। नाराज ग्रामीणों ने डीएम-एसएसपी को बताया कि इस फैक्ट्री में गैर पक्ष के लोग भी काम करते हैं लेकिन सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने तीन लोगों पर शक जताते हुए उनको पुलिस की सुपुर्दगी में दिया है।

# इलाहाबाद हाईकोर्ट के बाद अब कलकत्ता हाईकोर्ट का विवादित निर्णय

## नाबालिग के ब्रेस्ट छूना रेप की कोशिश नहीं

**कोलकाता (एजेंसी)।** इलाहाबाद हाईकोर्ट के बाद अब कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि नशे की हालत में नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट छूने की कोशिश करना, प्रिवेंशन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस एक्ट के तहत रेप की कोशिश नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इसे गंभीर यौन उत्पीड़न की कोशिश माना लेकिन आरोपी को जमानत दे दी। मामले की सुनवाई जस्टिस अरिजीत बनर्जी और जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की डिवीजन बेंच (खंडपीठ) कर रही थी।

दरअसल, ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट की धारा 10 और आईपीसी की धारा 448/376(2)(सी)/511 के तहत दोषी ठहराया था। कोर्ट ने उसे 12 साल जेल और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ आरोपी ने ऊपरी अदालत याचिका लगाई थी। इसके साथ ही आरोपी ने कहा था दो साल से ज्यादा समय तक जेल में बंद होने का तर्क देकर जमानत मांगी थी। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी 19 मार्च को इसी तरह का फैसला दिया था। कोर्ट ने कहा था कि किसी नाबालिग के ब्रेस्ट पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना या घसीटकर पुलिया के नीचे ले जाने की कोशिश रेप या रेप की कोशिश नहीं है।

**कोर्ट ने माना- पेनेट्रेशन के सुबूत नहीं**

आरोपी ने अपनी याचिका में कहा था कि उसे झूठे मामले में फंसाया गया है। सबूत बलात्कार की कोशिश के आरोप का समर्थन नहीं करते हैं। भले ही पीड़ित, जांच करने वाले डॉक्टर और अन्य गवाहों के सबूतों को सच मान लिया हो लेकिन आरोप साबित नहीं होते हैं। आरोपी के वकील ने तर्क दिया कि पेनेट्रेशन के बिना आईपीसी की धारा 376 के तहत अपराध नहीं माना जा सकता है। ज्यादा से ज्यादा पॉक्सो एक्ट की धारा 10 के तहत गंभीर यौन उत्पीड़न का मामला बन सकता है। इसके लिए निर्धारित सजा 5 से 7 साल है। वकील ने कहा कि आरोपी ने सजा का का एक बड़ा हिस्सा पूरा कर लिया है, इसलिए उसे जमानत मिलनी चाहिए। इस पर कोर्ट ने पाया कि पीड़ित के दिए सुबूतों में पेनेट्रेशन के संकेत नहीं मिलते। इस पर कोर्ट ने माना कि स्तन पकड़ने की कोशिश बलात्कार की कोशिश के बजाय गंभीर यौन उत्पीड़न का मामला हो सकता है।

### सीमा हैदर की मोदी और योगी से अपील, बेशक पाकिस्तान की बेटी थी लेकिन अब बहू भारत की

मेरठ (एजेंसी)। सीमा हैदर 2023 में सीमाओं को पार करने वाली एक प्रेम कहानी के लिए लोकप्रिय हो गई। पाकिस्तान से चार बच्चों की मां सीमा ने तब सुर्खियां बटोरीं जब वहां कोराना के दौरान ऑनलाइन मिले भारतीय व्यक्ति सचिन मीना के साथ रहने के लिए नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में आ गई। उनका आभासी रोमांस वास्तविक जीवन के प्यार में बदला और 2024 में उनकी शादी और उनकी बेटी भारती के जन्म का कारण बना। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों को उनके देश वापस भेजने के केंद्र के आदेश के बाद सीमा ने प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से भारत में रहने देने की गुहार लगाकर कहा कि वह बेशक पाकिस्तान की बेटी थी लेकिन अब बहू भारत की है। सीमा का दावा है कि सचिन से शादी के बाद हिंदू धर्म अपना लिया है। सीमा ने एक वीडियो साझा किया जिसमें एक व्यक्ति उससे कुछ पूछता है। इस पर सीमा कहती है, ''मैं पाकिस्तान नहीं जाना चाहती सर। इसके बाद व्यक्ति पूछता है कि मोदी (प्रधानमंत्री) जी से क्या गुहार लगाना चाहेंगी। इस पर सीमा कहती हैं कि मैं यही गुहार लगाना चाहूंगी मोदी और योगी जी से कि मैं इनकी शरण में हूं, मैं इनकी अमानत हूं, बेटी पाकिस्तान की थी लेकिन बहू भारत की हूं। मुझे यहां रहने दिया जाए। इसी साल सीमा ने 18 मार्च को एक बेटी को जन्म दिया था। पाकिस्तान के सिंध प्रांत निवासी सीमा मई 2023 में करांची में अपने घर को छोड़कर बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते भारत आ गई थी। सीमा ने जुलाई में तब सुर्खियां बटोरीं, जब भारतीय अधिकारियों ने रबूपुरा इलाके में 27 वर्षीय सचिन के साथ रहते पकड़ा।

### महाराष्ट्र में 5023 पाकिस्तानी नागरिक, 107 लापता, 51 पाकिस्तानियों के पास वैध वीजा और दस्तावेज- गृह राज्य मंत्री

**– नागपुर में 2 हजार 458 और ठाणे शहर में मिले 1106 पाकिस्तानी नागरिक**

**मुंबई (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद पूरे देश में गुस्से की लहर है। कहा जा रहा है कि इस हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। वहीं भारत ने भी पाकिस्तान को करारा जवाब देने के लिए मजबूत तैयारी शुरू कर दी है। केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी 18 प्रकार के वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां निर्दोष भारतीयों की हत्या करने वाले आतंकियों को दफनाने की चेतावनी दी है, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को अहम निर्देश देते हुए कहा कि वे सुनिश्चित करें कि केंद्र सरकार द्वारा दी गई समय सीमा समाप्त होने के बाद कोई भी पाकिस्तानी नागरिक देश में न रहे। उन्हें यह भी निर्देश दिया गया है कि वे पाकिस्तानी नागरिकों को ढूंढें और सुनिश्चित करें कि वे तुरंत वापस लौटें। अमित शाह के इस आदेश के बाद महाराष्ट्र पुलिस भी हरकत में आ गई। राज्य के 48 शहरों में कुल 5023 पाकिस्तानी नागरिक मिले हैं, यह जानकारी गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने दी है। इसमें सबसे ज्यादा 2 हजार 458 पाकिस्तानी नागपुर शहर में और 1106 पाकिस्तानी नागरिक ठाणे शहर में मिले हैं। जबकि जानकारी सामने आई है कि 14 पाकिस्तानी नागरिक मुंबई में रह रहे हैं वहीं 107 पाकिस्तानी पुलिस या अन्य संस्थाओं की पकड़ से बाहर हैं यानि वे लापता हैं। पुलिस और भारतीय एजेंसियां ??उनसे संपर्क कर उन्हें वापस पाकिस्तान भेजना चाहती हैं, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है या वे मिल नहीं रहे हैं, ऐसा योगेश कदम ने कहा है।

**पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की कार्रवाई युद्धस्तर पर- देवेंद्र फडणवीस**

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में पाकिस्तानी नागरिकों की सूची मिल गई है और महाराष्ट्र के हर पुलिस थाने को इसकी जानकारी दी जा रही है। इस बात का पूरा ध्यान रखा जा रहा है कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक 48 घंटे से ज्यादा महाराष्ट्र में न रहे। इस पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है और जो भी इससे ज्यादा समय तक रुका, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस बारे में चर्चा की गई है और उनके द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार यह कार्रवाई की जाएगी। इस देश में हमेशा ऐसा होता आया है, चाहे दुश्मन का हमला हो या देश पर कोई संकट, सभी राजनीतिक दल हमेशा साथ रहे हैं। स्वर्गीय अटल जी ने स्वर्गीय इंदिरा जी को पूरा समर्थन दिया था।

# सीएम रेवंत रेड्डी की अपील कहा- पाकिस्तान के दो टुकड़े करें एक पीओके भारत में शामिल करें

**हैदराबाद (एजेंसी)।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पाकिस्तान पर जमकर गुस्सा निकाला है। उन्होंने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पाकिस्तान पर हमला कर उसके दो टुकड़े कर देना चाहिए। एक टुकड़े को यानी पीओके को भारत में शामिल कर हमेशा के झंझट से मुक्ति पा लेना चाहिए। बता दें कि अभी तक ऐसी मांगें सिर्फ सत्ता पक्ष की तरफ से हुआ करती थी, लेकिन पाकिस्तान को लेकर इतना गुस्सा है कि विपक्ष भी सुर में सुर मिलाने लगा है।

आतंकी हमलों के विरोध में हैदराबाद में एक कैंडललाइट मार्च में अपने भाषण के दौरान रेड्डी ने कहा, ऐसे समय में, जब आतंकवादियों ने हमारे साथी नागरिकों पर हमला किया है, देश के सभी 140 करोड़ लोगों ने इस हमले को दिल से लिया है। अब इसका कड़ा जवाब देने का समय है। उन्होंने आगे कहा, तेलंगाना से 4 करोड़ लोग और दुनिया के कम से कम 100 देशों के प्रतिनिधि एक साथ खड़े हैं और आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहे हैं। हम इस लड़ाई में अपने प्रधानमंत्री का समर्थन करेंगे।

**पाकिस्तान को जवाब देने का बेहतर समय**

रेवंत रेड्डी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी, 1967 में जब चीन ने हमला किया था तो इंदिरा जी ने मजबूती से जवाब दिया था। फिर 1971 में जब पाकिस्तान ने हमला किया तो इंदिरा जी ने मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान को दो हिस्सों में बांटकर बांग्लादेश बनाया। अब पाकिस्तान को उसकी हरकतों के लिए जवाब देने का समय आ गया है। हमें निर्णायक कदम उठाने चाहिए। बातचीत का समय खत्म हो गया है। अब मुंहतोड़ जवाब देने का समय आ गया है।मार्च में शामिल ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पर लिखा, हम सभी आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। रेवंत रेड्डी और हजारों भारतीय नागरिकों के साथ मैंने कायरतापूर्ण पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ मोमबत्ती मार्च में भाग लिया। इससे पहले गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि भारत पहलगाम नरसंहार में शामिल हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि आतंकियों ने की सोच से अधिक कठिन सजा दी जाएगी।प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के दौरान कहा, दोस्तों आज बिहार की धरती से मैं पूरी दुनिया से कहता हूं कि भारत हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा। उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा। हम उनका पीछा दुनिया के छोर तक करेंगे।

### होटल में ठहरे ओमान के 5 नागरिकों के पास नहीं मिले जरुरी दस्तावेज, होटल मालिक पर एफआईआर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर स्थित होटल वियाना में ठहरे पांच ओमान नागरिकों को लेकर बवाल मच गया है। पुलिस ने होटल मालिक और मैनेजर के खिलाफ विदेशी नागरिकों को बिना अनुमति और एफआरआरओ (विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय) को सूचना दिए ठहराने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। जानकारी के अनुसार, ओमान की दो महिलाओं समेत कुल पांच नागरिक 14 अप्रैल से होटल में ठहरे हुए थे। जांच में सामने आया कि इन विदेशी नागरिकों के पास जरूरी दस्तावेज अधूरे थे। वहीं होटल वियाना विदेशी मेहमानों को ठहराने के लिए पंजीकृत भी नहीं था। बताया जा रहा है कि ओमानी नागरिक टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे, लेकिन उनकी गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए होटल में दबिश दी और पूछताछ शुरू की। एफआईआर में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि होटल प्रशासन ने न तो विदेशी नागरिकों के आने की जानकारी एफआरआरओ को दी, और न ही उनकी दस्तावेजी जांच सही तरीके से की। यह सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चूक मानी जा रही है। फिलहाल विदेशी नागरिकों से पूछताछ की जा रही है और उनके दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है।

# अग्निवीर से युवाओं का रुझान घटा

**– अग्नि वीरों की नहीं हो रही है शादी**

**ग्वालियर (एजेंसी)।** केंद्र सरकार के रक्षा मंत्रालय ने अग्निवीर योजना को बड़े धूम धड़ाके से लेकर आया था। सेना का उद्देश्य था, युवा और ऊर्जावान युवाओं को सेना में लाया जाए। जिस तरीके से योजना के बारे में बताया गया था। उसके बाद युवाओं में उत्साह जागा था। बाद में पता चला कि 4 साल बाद सेना से निकाल दिया जाएगा। यह सच सामने आया, उसके बाद से अग्नि वीर में युवाओं की संख्या लगातार घटती चली जा रही है।

मध्य प्रदेश में 2022-23 में 73000 युवाओं ने भरती के लिए पंजीयन कराए थे। 2023-24 में यह संख्या 20500 रह गई। वर्ष 24-25 के लिए 24000 युवाओं ने भरती के लिए पंजीयन कराया है।

ग्वालियर संभाग में सेना भरती के आंकड़े लगातार घटते चले जा रहे हैं। इसमें 68 फीसदी की कमी आ गई है। जिन युवाओं का चयन हो जाता है। उसके बाद भी वह ज्वाइन नहीं करते हैं। पिछले 4 साल में जिस तरह अग्नि वीर योजना का आकर्षण युवाओं में कम हो रहा है। इसके लिए अब अग्नि वीर योजना की समीक्षा करने की बात की जा रही है।

अग्नि वीर में शामिल युवाओं का कहना है। 4 साल बाद वह फिर से बेरोजगार हो जाएंगे। डर के कारण उनकी निजी जिंदगी खराब हो रही है। अग्नि वीर युवा के लिए शादी के प्रपोजल भी नहीं आ रहे हैं। पहले सेना में जैसे ही भर्ती होती थी। वैसे ही शादी के प्रस्ताव आना शुरू हो जाते थे। यहां के लोग अग्निवीर के साथ अपनी लड़की की शादी नहीं करना चाहते हैं। उन्हें लगता है अग्नि वीर का कोई भविष्य नहीं है।

सेना मे नौकरी पाने और अग्नि वीर बनने के लिए पहले बड़ी संख्या में प्रशिक्षण लेने के लिए युवा सामने आते थे। सेना में अब भर्ती हो नहीं रही है। अग्निवीर में भर्ती हो रही है,लेकिन इसका प्रशिक्षण लेने युवा तैयार नहीं है। बड़े-बड़े मैदान जहां पहले प्रशिक्षण दिया जाता था। इन दिनों खाली पड़े हुए हैं।

# पाकिस्तान के खिलाफ जेट्स की इस तिकड़ी का इस्तेमाल कर सकती हैं भारतीय वायुसेना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पहलगाम में आंतकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। ऐसी संभावना है कि भारत, पाकिस्तान के खिलाफ कोई सैन्य कार्रवाई कर सकता है। इसके लिए भारतीय वायुसेना के पास फ्रांसीसी मूल के फाइटर जेट्स की एक ऐसी तिकड़ी है, जो भारत पाकिस्तान के खिलाफ तैनात कर सकता है। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवादियों और उनका साथ देने वालों को कड़ा जवाब देने का वादा कर दिया है। वहीं भारतीय प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों और उनके पनाहगारों को मिट्टी में मिलाने का वादा किया है। भारत ने पहले भी आतंकी हमलों के जवाब में हवाई हमले किए हैं। लिहाजा माना जा रहा है कि इंडियन एयरफोर्स एयरस्ट्राइक करने जैसे फैसले ले सकती है। बालाकोट एयरस्ट्राइक में दो फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों जगुआर और मिराज का इस्तेमाल हुआ था। रूसी मूल के एसयू-30, एमआईजी-21 और एमआईजी-29 भी ऑपरेशन का हिस्सा थे। लिहाजा अगर भारत पाकिस्तान के खिलाफ हमला करने का फैसला करता है, तब भारतीय वायुसेना, तीन अलग-अलग लेकिन शक्तिशाली पीढ़ी के फ्रांसीसी मूल के लड़ाकू विमानों जगुआर, मिराज 2000 और राफेल के बहुत ही दुर्लभ संयोजन तैनात कर सकती है। फ्रांस, दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसने माली में ऑपरेशन में तीनों लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया था। फ्रांसीसी वायु सेना की विरासत और आधुनिक विमानों के मिश्रण को बनाए रखने की रणनीति ने इस तरह की तैनाती को संभव बनाया, खासकर ट्रांजिशन पीरियड के दौरान, जब जगुआर ऑपरेशनल थे। हालांकि फिलहाल यह देखना बाकी है कि भारतीय वायुसेना इन तीनों फ्रांसीसी मूल के फाइटर जेट्स को पाकिस्तान के खिलाफ एक साथ इस्तेमाल करती है या नहीं, लेकिन एक बात पक्की है कि पाकिस्तान के पास अपने शस्त्रागार में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो राफेल लड़ाकू विमानों से मुकाबला कर सके।

# पहलगाम कांड : संकट काल मे ग्राहकों से अधिक किराया वसूलने वाली एयरलाइन कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो

## जिन यात्रियों से अधिक किराया वसूला गया है, उन्हें उनके खाते में वह पैसे वापस किए जाने की भी जनसेवक गोपाल शेट्टी

**मुम्बई /भव्य खबर/अमित मिश्रा ।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बेगुनाह व मासूम पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले और बेतहासा गोलीबारी के बाद, बड़ी संख्या में नागरिक कश्मीर घाटी से लौटने का प्रयास कर रहे थे। इस मुश्किल समय में, जब लोग संकट से गुजर रहे थे, कई एयरलाइन कंपनियों ने श्रीनगर से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई आदि देश के विभिन्न हिस्सों में जाने वाली हवाई उड़ानों के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ा दीं थी। इस वाकिये से दुःखी और आहत उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि ऐसी आपातकालीन परिस्थितियों में अधिक किराया वसूलने वाली एयरलाइन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और जिन यात्रियों से अधिक किराया वसूला गया है, उन्हें वह किराया वापस करने का निर्देश दिया जाए। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को लिखे गए पत्र में, जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे कहा है कि 23 अप्रैल 2025 को यह देखा गया कि यात्रियों की संख्या अधिक थी और नागरिकों को तुरंत घर वापस आने की जल्दी थी, इसलिए आश्चर्यजनक रूप से हवाई जहाज की टिकटों की कीमतें 6,000-8,000 रुपये से बढ़ाकर 14,000-28,000 रुपये कर दी गई थीं। इसके बाद, जब इस पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई, तो नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनियों को उचित संदेश दिया, जिसके बाद कुछ कंपनियों ने यात्रा की तारीखें बदलने और मुफ्त रिफंड करने की सुविधा उपलब्ध कराई। गोपाल शेट्टी ने ऐसे ही एक मामले को कोट करते हुए पत्र में आगे लिखा है कि २ जून २०२३ को बालासोर, ओडिशा में हुई रेल दुर्घटना के दौरान लगभग एक समान घटना सामने आई थी, जब कुछ एयरलाइन कंपनियों ने ६,०००-८,००० रुपये के टिकट के लिए ५६,००० रुपये तक का टिकट की कीमत बढ़ा दी थी।। उस समय, मैंने ५ जून २०२३ को तत्कालीन नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखकर इस संदर्भ में अपनी चिंता से अवगत कराया था। यह घटना नागरिक उड्डयन मंत्रालय के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा थी, जो यात्रियों के हितों की रक्षा और हवाई यात्रा को सुलभ और सुविधाजनक बनाने के लिए काम करता है।उस पत्र के उत्तर में, सभी एयरलाइन कंपनियों को अधिक शुल्क नहीं लेने की तब सलाह दी गई थी, लेकिन यह भी था कि एयरलाइन कंपनियां स्वतंत्र व्यावसायिक संस्थाएं होने के कारण, वे अपने विवेकानुसार अपने किराये तय करती हैं। अतःइस प्रकार की स्थिति में, केवल सलाह पर्याप्त नहीं है। संकट की परिस्थिति में सार्वजनिक हित की रक्षा के लिए कठोर और स्पष्ट नीतियों की आवश्यकता है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे कहा कि आतंकवादी हमले के बाद, संकट के समय में ग्राहकों से अधिक किराया वसूलकर मुनाफा कमाने की कोशिश करने वाली एयरलाइन कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए और जिन यात्रियों से अधिक किराया वसूला गया है, उन्हें उनके खाते में वह पैसे वापस किए जाने चाहिए।भविष्य में, किसी भी प्रकार की राष्ट्रीय आपदा, दुर्घटना या आपातकालीन स्थिति में, विमान टिकटों और अन्य ग्राहकोपयोगी वस्तुओं की कीमतों में अनावश्यक वृद्धि रोकने के लिए स्पष्ट, कठोर और प्रभावी नियम बनाए जाने चाहिए।

# धनुष की फिल्म को लेकर आया बड़ा अपडेट

साउथ सुपरस्टार अभिनेता धनुष इस समय अपनी कई धमाकेदार फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी फिल्मों के अपडेट से दर्शकों में एक अलग रोमांच देखने को मिल रहा है। अब एक फिल्म को लेकर अपडेट आया है कि यह दिग्गज कलाकार उनकी फिल्म में शामिल हो रहा है।

### क्या है अपडेट?

हाल ही में तमिल कॉमेडी फिल्म सूमो के प्री रिलीज इवेंट के दौरान फिल्म निर्माता इशारी के गणेश ने धनुष की आगामी फिल्म डी 56 को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है। फिल्म निर्माता ने बताया कि धनुष की आगामी फिल्म डी 56 में म्यूजिक मशहूर संगीतकार एआर रहमान देंगे, जो एक शानदार अनुभव होगा। इसके अलावा इशारी गणेश ने धनुष के साथ एक और प्रोजेक्ट की घोषणा की है, जो विग्नेश राजा द्वारा निर्देशित किया जाएगा। सबसे खास बात यह सामने आई कि यह फिल्म डी 56 से पहले दर्शकों के बीच रिलीज की जाएगी।

### एक नजर डी 56 की ओर

'डी 56' धनुष के बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है। यह फिल्म एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसे डायरेक्टर मारी सेल्वराज बना रहे हैं। इसी महीने अप्रैल में धनुष ने अपनी आगामी फिल्म डी 56 का थीम पोस्टर जारी किया था। इस पोस्ट में कई साल पुरानी एक तलवार दिखाई देती है, जिसके ऊपर कंकाल की खोपड़ी लगी हुई है। इस तस्वीर पर लिखा हुआ था एक महान युद्ध की शुरुआत। धनुष के फैंस में इस पोस्टर को लेकर काफी रोमांच है।

इस समय उनके पास कई फिल्में हैं, जिनमें कुछ रिलीज होने वाली है। धनुष की फिल्म कुबेर, जो 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। इस फिल्म में धनुष के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, अभिनेता की दूसरी फिल्म की बात करें तो वह है इडली कड़ाई, जो एक अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। इसके अलावा अन्य फिल्मों की बात करें तो धनुष तेरे इश्क में, डी 55 आदि फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

# पंजाबी हीरोइनों को गलत रास्ता दिखाने वाले पर आगबबूला हुईं हिमांशी

अभिनेत्री और बिग बॉस 13 फेम हिमांशी खुराना ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इस पोस्टज में उन्होंने पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स पर निशाना साधा और उस पर उनके नाम का इस्तेमाल करते हुए युवा लड़कियों और महत्वाकांक्षी अभिनेत्रियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। हालांकि, उन्होंने उस व्यक्ति का नाम नहीं लिया। अभिनेत्री ने उस व्यक्ति को मूर्ख सहित कई कड़े शब्द कहे।

### हिमांशी खुराना ने क्या लिखा?

हिमांशी खुराना ने रविवार रात को अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पंजाबी में लिखा, 'पंजाबी इंडस्ट्री में एक मूर्ख है, वह बेहद घिनौना, बेशर्म और बेकार इंसान है जो हमारे सभी कलाकारों के बीच घूमता रहता है दावा करता है कि वह उन्हें गानों और फिल्मों में काम दिलवाएगा। वह उनकी निजी जानकारी का दुरुपयोग करता है। मुझे पता चला कि वह लंबे समय से मेरे बारे में बात कर रहा है और नई लड़कियों को यह कहकर गुमराह कर रहा है कि सभी जाने-माने पंजाबी कलाकार उसके नियंत्रण में हैं।'

### 10 लाख रुपये दे चुकी हैं उधार

अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए आगे लिखा, 'मैंने उसे हजार बार नजरअंदाज किया, लेकिन वह नहीं बदला और इस बार मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती। एक लड़की ने खास तौर पर मेरी टीम के जरिए मुझे उसके बारे में मैसेज भेजा है। अगर आप यह पढ़ रहे हैं तो मैं आपको याद दिला दूं, आप पर अभी भी मेरा पैसा बकाया है। मैंने आपसे पैसे नहीं मांगे हैं, क्योंकि मैं ऐसी ही हूं। मैंने आपको एक बार में 10 लाख रुपये उधार दिए थे। आप नई लड़कियों को यह बताने की स्थिति में नहीं हैं कि हिमांशी आपकी बात सुनती है। याद है जब आप लंदन में फंस गए थे? मैंने आपकी मदद की थी। आपके पास टिकट के लिए भी पैसे नहीं थे। सभी कलाकार, कृपया सावधान रहें। मैं आपका नाम नहीं लिखना चाहती और आपको फुटेज नहीं देना चाहती, लेकिन आप किसी बिचौलिए से कम नहीं हैं।'

हिमांशी खुराना एक पंजाबी अभिनेत्री है। उन्हें पंजाबी फिल्म 'साड्डा हक में बतौर अभिनेत्री पहचान मिली। वह कई फिल्मों के साथ म्यूजिक वीडियोज में भी काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने 'बिग बॉस 13' में हिस्सा लेकर घर-घर अपनी पहचान बनाई। शो में वह आसिम रियाज के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में रहीं। हालांकि, बाहर आने के कुछ दिनों बाद दोनों ने एक-दूसरे से दूरी बना ली।



# कन्नड़ सिनेमा में डेब्यू करेंगी पूजा हेगड़े सूर्या के साथ जमेगी जोड़ी



**बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं पूजा हेगड़े अब साउथ फिल्म रेट्रो में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनकी जोड़ी साउथ अभिनेता सूर्या के साथ नजर आएगी। वहीं अब पूजा कन्नड़ सिनेमा में अपना लक आजमाने जा रही हैं।**

पूजा हेगड़े जल्द ही साउथ फिल्म रेट्रो में अभिनेता सूर्या के साथ नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म का निर्देशन कार्तिक सुब्बाराज ने किया है। वहीं अब कई फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं पूजा अब कन्नड़ फिल्म में डेब्यू करने वाली हैं। एक खबर के अनुसार, पूजा ने हाल ही में कन्नड़ फिल्म बीआरबी- फर्स्ट ब्लड (बिल्ला रंगा बाशा) साइन की है। इस फिल्म में पूजा कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप के साथ काम नजर आएंगी। हालांकि फिल्म निर्माताओं की ओर से इस बात की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से फैल रही है। अगर पूजा इस फिल्म का वाकई में हिस्सा हैं तो यह फिल्म पूजा हेगड़े की कन्नड़ सिनेमा में उनकी पहली फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन अनूप भंडारी करेंगे। फिल्म के निर्माण की जिम्मेदारी हनु-मान के निर्माता निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी करेंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो पूजा साउथ सुपरस्टार दलपति विजय की फिल्म जना नायगन में नजर आएंगी। इसके अलावा पूजा लोकेश कनगराज निर्देशित फिल्म कुली में नजर आएंगी। इन फिल्मों के अलावा पूजा फिल्म रेट्रो में नजर आएंगी।

# डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ जम सकती है कृति सेनन की जोड़ी



फरहान अख्तर की डॉन 3 बहु प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इससे जुड़ी हर अपडेट पर फैंस की नजर रहती है। बीते वर्ष यह एलान किया गया कि इस फिल्म में लीड रोल रोल रणवीर सिंह अदा करेंगे। वहीं, लीड अभिनेत्री के रूप में कियारा आडवाणी का नाम फाइनल किया गया। मगर, प्रेग्नेंसी के चलते वे इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गई हैं। अब नई एक्ट्रेस के नाम की चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि डॉन 3 में कृति सेनन की एंट्री हो गई है। वे रणवीर सिंह के अपोजिट फिल्म में नजर आ सकती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कृति ने डॉन 3 में रणवीर के साथ काम करने के लिए सहमति जताई है। कुछ ही हफ्तों में बात फाइनल हो सकती है।

# आमिर खान नहीं, अब राजकुमार राव निभा सकते हैं उज्ज्वल निकम की भूमिका

**मशहूर सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की बायोपिक बनने जा रही है, जिसे दिनेश विजन बनाएंगे। इस फिल्म के लिए पहले आमिर खान का नाम सामने आया था, लेकिन उन्होंने इस फिल्म को करने से साफ इनकार कर दिया है, जिसके बाद अब उज्ज्वल की भूमिका को यह बॉलीवुड अभिनेता निभाएंगा। यह फिल्म एक रोमांचक कोर्टरूम ड्रामा होगी।**

एक खबर के मुताबिक, दिनेश विजन मशहूर सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की बायोपिक बना रहे हैं। खबर है कि राजकुमार राव इस फिल्म में उज्ज्वल की भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि आमिर खान ने इस किरदार से पीछे हटने का फैसला किया है। पहले आमिर इस फिल्म में अभिनय करने वाले थे, लेकिन अब वह केवल निर्माता के रूप में जुड़े रहेंगे।

### कब शुरू हो सकती है शूटिंग

दरअसल, दिनेश विजन चाहते हैं कि राजकुमार, उज्ज्वल निकम का किरदार निभाएं, क्योंकि वह इस भूमिका में फिट बेठेंगे। फिल्म को लेकर राजकुमार से बातचीत हो चुकी है, लेकिन फिलहाल वह विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म की तैयारी में व्यस्त हैं, जिसमें वह एक खिलाड़ी का किरदार निभाएंगे।

### कौन हैं उज्ज्वल निकम

उज्ज्वल निकम भारत के प्रसिद्ध सरकारी वकील हैं। उन्होंने 1993 के बॉम्बे बम धमाकों, 2008 के मुंबई हमलों, प्रमोद महाजन हत्या, गुलशन कुमार हत्या, 2013 के मुंबई गैंगरेप और 2016 के कोपर्डी बलात्कार जैसे बड़े मामलों में अभियोजन किया। 2016 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया।

राजकुमार राव जल्द ही फिल्म भूल चूक माफ में नजर आएंगे, जो 9 मई को रिलीज होगी। यह एक रोमांटिक कॉमेडी है, जिसमें वह रंजन नाम के एक दूल्हे का किरदार निभाएंगे, जो अपनी शादी से पहले एक समय चक्र में फंस जाता है। इस फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है और इसे दिनेश विजान ने अमेजन एमजीएम स्टूडियो के साथ मिलकर बनाया है।

# मैं भूत-प्रेत में नहीं मानता, नेगेटिव एनर्जी तो मैंने लोगों से महसूस की है

रजत कपूर बॉलिवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जो राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी साख रखते हैं। नाटकों की दुनिया से आए रजत ने स्रअद्धद्ध में खुद को पॉलिश किया और मॉनसून वेडिंग, दिल चाहता है, मिथ्या जैसी कई फिल्मों में अपने अभिनय की जादूगरी दिखाई। तीन -तीन राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त रजत एक सोच प्रेरक निर्देशक भी हैं। इन दिनों वह हृअअ पर आने वाली अपनी सीरीज खौफ को लेकर चर्चा में हैं। उनसे एक बातचीत।

**आप रघु रोमियो, मिक्स्ड डबल, मिथ्या, आंखों देखी, आरकेआरके जैसी कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं, मगर जब सेट पर एक एक्टर के रूप में होते हैं, तो अपने भीतर के निर्देशक को किस तरह से कंट्रोल करते हैं?**

मैंने अपने अंदर के निर्देशक को शांत कर देता हूं। वैसे आपको एक बात बताऊं? सेट पर जितने भी लोग होते हैं, वो अपनी पिक्चर बना रहे होते हैं। निर्देशक भले सेट पर अपना काम कर रहा होता है, मगर शूटिंग पर मौजूद हर बंदा यही सोच रहा होता है कि मैं बनाता तो इस फिल्म को ऐसे बनाता। सेट पर डेढ़ सौ पिक्चर बन रही होती हैं। मैं कोशिश करता हूं कि जब मैं सेट पर हूं, तो अपनी पिक्चर बनाते हुए न बैठूं। मेरे दिमाग में वाहियात सवाल न आए कि मैं करता तो कैसे करता? अरे भाई मैं क्यों करता? मैं सेट पर डायरेक्टर का अभिनेता होता हूं। मैं बहुत विनम्र होता हूं, हां, किसी सीन पर सलाह या सुझाव जरूर दे सकता हूं, मगर अंततः यह डायरेक्टर के हाथ में है कि वो मेरी सलाह मानता है या नहीं।

**आपको अपनी फिल्मों के लिए तीन-तीन राष्ट्रीय पुरस्कार (तराना, हिप्नोथिसिस, रघु रोमियो) मिले हैं, तो आपके लिए अवॉर्ड कितनी अहमियत रखते हैं।**

सच्ची बात बताऊं? दुनिया में 7-8 लोग ऐसे हैं, जिन्हें मैं पसंद करता हूं और प्रेम भी, तो मुझे उनकी सराहना चाहिए होती है, जिसमें मेरी बीवी है और कुछ दोस्त हैं। अगर मेरी फिल्म उन लोगों को पसंद आती है, तो वही मेरा सबसे बड़ा अवॉर्ड होता है। उसके बाद उस फिल्म को पांच हजार लोग देखें या पांच लाख, वो मेरे लिए बोनस होता है। ऐसा नहीं है कि लोगों की वाहवाही अच्छी नहीं लगती, मगर उनसे वाहवाही न भी मिले, तो चलेगा, मगर मेरे अपने लोगों की तारीफ मेरे लिए जरूरी है।

**आपके लिए सबसे ज्यादा मुश्किल दौर कौन-सा था?**

मुश्किल दौर आते-जाते रहे हैं। सच कहूं, तो जब भी कोई फिल्म रिलीज होती है, मेरे आने वाले दो हफ्ते डिप्रेसिंग होते हैं। फिल्म चल रही है या नहीं? क्या हो रहा है? बहुत कुछ चल रहा होता है, मगर फिर उसके बाद ढर्रे पर आना पड़ता है। अपनी हर फिल्म बनाने में मुझे काफी जद्दोजहद लगी है। एक फिल्म के बाद दूसरी फिल्म बनाने में पांच साल भी लगे हैं। मैं आपको बताऊं, आंखों देखी को रिलीज के बाद इतना प्यार मिला। वो फिल्म मैंने 2012 में बनाई, जो एक साल बाद रिलीज हुई। उसकी खूब चर्चा हुई, मगर उसके बाद दूसरी फिल्म मिलने में मुझे 6 साल लग गए। ऐसा नहीं था कि आंखों देखी के बाद मेरे लिए सब चीजें आसान हो गई हों। मैं कोई शिकायत नहीं कर रहा। मैं जानता हूं कि जिस जगह हमने काम करने का फैसला किया है, वह एक बाजार है और मार्केट में चीजें मोल-तोल से बिकती हैं, आर्टिस्टिक वैल्यू के साथ नहीं। मगर मैं ऐसा कोई सिनेमा नहीं बनाता जिसमें मुझे यकीन न हो। मैं फिल्में मजे के लिए करता हूं और जिस फिल्म पर मुझे डेढ़-दो साल लगाने हों, उस पर मेरा फेथ पक्का होना चाहिए।

**अपनी पिछली फिल्म आरकेआरके में आपने मल्लिका शेरावत के साथ एक्टिंग और डायरेक्शन किया। आप इंडस्ट्री में व्याप्त स्टार सिस्टम को कैसे देखते हैं?**

देखिए, इंडस्ट्री एक मार्केट प्लेस है, तो यहां सुंदर चीजें बिकती हैं। मैं इसके खिलाफ नहीं हूं। यह इस पेशे की सचाई है। जो स्टार्स हैं, वो भी किसी वजह से इतने बड़े स्टार्स हैं। उनमें करिश्मा है, कोई बात है। आप उन्हें देखना चाहते हैं। अब ये बात और है कि स्टार्स अगर चाहें, तो बेहतर फिल्में भी कर सकते हैं। मगर वो नहीं चाहते और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसे हॉलिवुड में ब्रैड पिट, लियोनार्डो जैसे सभी बड़े एक्टर और स्टार्स ने छोटी-छोटी और मीनिंगफुल फिल्मों में काम किया है। ऐसा ही हमारे स्टार्स करें, तो मजा आ जाए।

**मॉनसून वेडिंग के बाद एक बार फिर आप सीरीज खौफ में नेगेटिव भूमिका में नजर आ रहे हैं। इस रोल को चुनने की कोई खास वजह?**

हां, ये बहुत ही घटिया आदमी है। एक्टर के रूप में इस भूमिका ने मुझे काफी चैलेंज किया, साथ ही ये रोल मेरे लिए कुछ हद तक डरावना भी था। इस तरह की भूमिका एक अदाकार को मुश्किल से करने मिलती है, तो मैंने इस मौके को गनीमत जानकर इस रोल को अपना लिया। इसके अलावा मैं एक इमेज में बंधकर थक भी गया था। 2006 में मैंने कॉर्पोरेट फिल्म की और उसके बाद मुझे उसी तरह की भूमिकाएं मिलने लगीं, तो हर बार जब मेरा कोई रोल हिट हो जाता, तो मुझे उसी तरह के चरित्रों का ऑफर मिलने लगता था। मैं एक ही तरह की भूमिकाओं को नकारते हुए तंग आ चुका था, मगर यह रोल मुझे बहुत ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।